...criptive Catalogue
of
...krit Manuscripts

(...IDYA ACADEMY COLLECTION)

PART II



KRISHNA KUMAR

...ALITA PRASA... ...DEY

...VIDYA ACADEMY (U.P.)
DEVAPRAYAG
...a Ashram (Veda Mandir)
...lapur (Haridwar)

संस्कृत पाण्डुलिपियों

की

ग्रन्थ विवरणी

नक्षत्र वेधशाला देवप्रयाग से प्राप्त
कृष्णकुमार
26-3.89

द्वितीय भाग

सम्पादक :

डा० कृष्ण कुमार
एम०ए०, साहित्याचार्य, पी-एच०डी०, डी०लिट्०
विभागाध्यक्ष संस्कृत
गढ़वाल विश्वविद्यालय
श्रीनगर (गढ़वाल)

संकलन :

डा० ललिताप्रसाद पाण्डे
एम०ए०, साहित्याचार्य, डी०फिल०

प्राच्य विद्या अकादमी उ०प्र०
देवप्रयाग
गीता आश्रम (वेद मन्दिर)
ज्वालापुर (हरिद्वार)

संस्कृत पाण्डुलिपियों की ग्रन्थ-विवरणी—द्वितीय भाग

सम्पादक : डा० कृष्णकुमार

संकलन : डा० ललिताप्रसाद पाण्डे

प्रकाशक : प्राच्य विद्या अकादमी (उ०प्र०)
देवप्रयाग
गीता आश्रम (वेद मन्दिर)
ज्वालापुर (हरिद्वार)

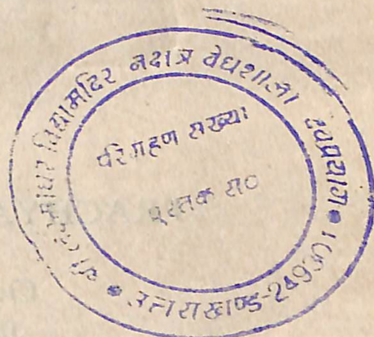
मूल्य : रु०

प्रथम संस्करण १९८५
५०० प्रतियां

मुद्रक :
हिमालयन प्रिन्टर्स
कैलास गेट, मुनिकीरेती
टिहरी गढ़वाल।

A Descriptive Catalogue
of
Sanskrit Manuscripts
(PRACHYA VIDYA ACADEMY COLLECTION)

PART II



Edited by :

Dr. KRISHNA KUMAR
M.A., Sahityacharya, Ph.D., D.Lit.
Head, Sanskrit Department
Garhwal University
Srinagar (Garhwal)

Compiled by :

Dr. LALITA PRASAD PANDEY
M.A., Sahityacharya, D.Phil.

PRACHYA VIDYA ACADEMY (U.P.)
DEVAPRAYAG
Geeta Ashram (Vidya Mandir)
Jawalapur (Haridwar)

A DESCRIPTIVE CATALOGUE OF SANSKRIT MANUSCRIPTS—PART-II

Edited by : **Dr. KRISHNA KUMAR**

Compiled by : **Dr. LALITA PRASAD PANDEY**

Published by :

PRACHYA VIDYA ACADEMY (U.P.)
DEVAPRAYAG
Geeta Ashram (Vidya Mandir)
Jawalapur (Haridwar)

Price : Rs.

First Edition 1985
500 Copies

Printed by :
HIMALAYAN PRINTERS
Kailash Gate, Muni-ki-Reti,
Tehri Garhwal

समर्पण

प्राच्य विद्या अकादमी के प्रथम अध्यक्ष दिवंगत आचार्य चक्रधर जोशी की

पुण्य स्मृति में

संस्कृत पाण्डुलिपियों की ग्रन्थ विवरणी

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	
५९७	व्याकरण १९	प्रबोधचन्द्रिका	बैंजलदेव खेतीराम		पेपर	देवना
५९८	२०	व्युत्पतिपाद सं०			,,	,,
५९९	२१	धातुपाठ सं०			,,	,,
६००	२२	क्त्वाप्रत्ययविचार-माला संस्कृत			,,	,,
६०१	२३	धातुपाठ संस्कृत			,,	,
६०२	२४	शब्देंदुशेखरसदा-शिवमहीटीका, सं०			,,	,,
६०३	२५	प्रक्रियाकौमुदी सं०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.७×१७.१	२०	१८	३५	पूर्ण	प्राचीन १९२७ वि०	लेख अच्छा है।
३०×१२.९	२३६	११	५३	अपूर्ण	प्राचीन १९३० वि०	पृ० १ से १२ नही हैं। लेख अच्छा है।
२८×१३	४४	९	३८	,,	प्राचीन	पुस्कत की दशा हीन है। पृ० सं० क्रम में नही है। लेख सामान्य है।
३०×१०.७	१०	९	५३	,,		लेख सामान्य है।
२५×११.४	२४	९	३२	,,	,,	पृ० १ नही है। विषय अपूर्ण है। लेख उत्तम है। पुस्तक के किनारे नष्ट हो गए हैं जो पानी लगने से हुए हैं।
३०×१२.८	२५४	१०	४६	,,	,, १९२९ व०	लेख उत्तम है। पृ० १ से ९ तक नही हैं।
३०×१२.३	११८	१५	४५	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। विषय अपूर्ण है।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	व्याकरण					
६०४	२६	लघुसिद्धान्त कौमुदी संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६०५	२७	लघुसिद्धान्त कौमुदी संस्कृत			,,	,,
६०६	२८	शब्देन्दुशेखर सं० विषयकार सहित			,,	,,
६०७	२९	सारस्वत् व्याकरणम्	अनुभूतिस्वरूपाचार्य		,,	,,
६०८	३०	पाणिनीय अष्टाध्यायी			,,	,,
६०९	३१	लघुकौमुदी			,,	,,
६१०	३२	लघुकौमुदी			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३०×१२.८	११८	११	४७	पूर्ण	प्राचीन १९४२ वि०	१, २ पृ० पर स्याही पड़ने से विषय वस्तु कुछ नष्ट है। लेख अच्छा है।
२०.५×९.८	१८	५	१६	अपूर्ण तेवल्कार : प्र०	प्राचीन	लेख सामान्य है।
३२×१२.७	२५०	९	४७	अपूर्ण	,,	पृ० सं० १ से २५ नहीं हैं। १५० पृ० नष्ट प्राय हैं। लेख अच्छा, विषय अपूर्ण।
३३.X७१४.२	६२	११	४५	पूर्ण	प्राचीन १८७४ वि०	लेख अच्छा है। दो प्रकार का लेख है।
३०.८×१२.८	८०	१३	४६	,,	उत्तम १९३४ वि०	लेख अच्छा है।
३१.४×१२	१२	१०	३६	अपूर्ण स्वौत्रस्...	प्राचीन	विषय अपूर्ण। है लेख अच्छा है।
३१.६X१३	२४	१०	३७	अपूर्ण गौरीशब्दतक	,,	लेख अच्छा है। विषय अपूर्ण है।

क्र॰सं॰	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६११	व्याकरण ३३	स्वरान्तशब्द-प्रयोग संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६१२	३४	महाभारत पतंत्रलिकृत			,,	,,
६१३	३५	महाभारत सं॰			,,	,,
६१४	३६	महाभारतम्, कैयर टीकासहितम्, सं॰			,,	,,
६१५	३७	व्याकरणस्यकति-चित्स्कुट पं॰ सं॰			,,	,,
६१६	३८	सिद्धान्तकौमुदी संस्कृत			,,	,,
६१७	३९	सिद्धान्तकौमुदी संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३७×१४	३६	१०	३०	पूर्ण	प्राचीन १९२२ वि०	१, २ पृष्ठ पर स्याही से विषय वस्तु नष्ट है। शब्द प्रकोष्टों में है। लेख अच्छा है।
३४×१६	४	११	३२	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। विषय अपूर्ण है।
२४.४×१६	८	२३	२०	,,	,,	विषय अपूर्ण है। लेख सामान्य है।
३८×२०	४००	१८	६२	,,	,,	लेख अच्छा है। पृष्ठ १ से ५४ तक नही हैं।
२६×१६.५	४०	११	३१	,,	,,	विभिन्न लेखों में लिखे हैं। पहले पेज की पंक्ति एवं अक्षरों की संख्या की गयी हैं।
२२.५×१३	५८	१२	३०	अपूर्ण उत्तरार्ध	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२८×१२	१६	१४	४७	पूर्ण पूर्वार्द्ध	,,	लेख अच्छा है। किनारे टूट गए हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६१८	व्याकरण ४०	सिद्धान्तकौमुदी संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६१९	४१	सिद्धान्तकौमुदी संस्कृत			"	"
६२०	४२	सिद्धान्तकौमुदी संस्कृत			"	"
६२१	४३	सिद्धान्तकौमुदी संस्कृत			"	"
६२२	४४	सिद्धान्तकौमुदी टीकामदोजो दीक्षित			"	"
६२३	४५	"			"	"
६२४	४६	"			"	"
६२५	४७	सिद्धान्तकौमुदी मदोजी टी० सं०			"	"

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२८×१२.२	११	१२	३५	अपूर्ण पूर्वार्द्ध	प्राचीन	केवल पृष्ठ ६९ से ७९ तक हैं। लेख अच्छा है।
२९×११.५	१०४	८	४३	अपूर्ण वृहन्ततद्धित	प्राचीन	पृष्ठ १०४ जीर्ण अवस्था में है। लेख अच्छा है।
२४.५×६.८	९	५	७०	अपूर्ण	प्राचीन	पृष्ठ क्रम में नही हैं। अनेक प्रकरणों से सम्बद्ध हैं।
२७×१२.५	१६२	९	३१	,, स्त्रीप्रत्यंता	,,	पृष्ठ १२ के किनारे टूट गए हैं। विषय वस्तु ठीक है। लेख अच्छा है।
३१×११.२	६६	१०	४९	अपूर्ण हलंतपुंलिग	,,	पुस्तक के किनारे अति ग्रस्त हैं। जिनसे विषय वस्तु भी कुछ नष्ट हो गयी है। लेख सामान्य है।
२५×१२.२	४९६	१०	३०	अपूर्ण पूर्वार्द्ध	,,	लेख अच्छा है।
२४.५×१२.५	२८०	११	४१	पूर्ण उत्तरार्द्ध	,,	लेख सामान्य है।
२५×१३	८	११	४१	पूर्ण लकारार्थ	,,	लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज़ का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	व्याकरण					
६२६	४८	सिद्धान्तकौमुदी-कारका तत्व बोधिनी			पेपर	देवनागरी
६२७	४६	सिद्धान्तचन्द्रिका सं०	रामाश्रायाचार्य		,,	,,
६२८	५०	सिद्धान्तचन्द्रिका सं०	,,	नन्दराम	,,	,,
६२६	५१	सिद्धान्तचन्द्रिका सं०	लोकेशंकर		,,	,,
६३०	५२	,,	सीताराम मिश्र		,,	,,
६३१	५३	,,	रामाश्रायाचार्य		,,	,,
६३२	५४	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबो० टी० सहित	रामाश्रायाचार्य		,,	,,
	स्मृति एवं धर्मशास्त्र					
६३३	१	धर्म सम्वाद सं०			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२९×११.२	४१०	७	३०	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० २०५ नहीं है। अन्य १ से १०६ तक हैं। लेख अच्छा है। पृ० २ का किनारा टूट गया है।
३०×१२.५	३८	११	४४	पूर्ण पूर्वार्द्ध	उत्तम १९३६ वि०	
३०×११.२	११२	६	४०	"	प्राचीन १८३० बि०	लेख सामान्य है। जीर्णता के किनारे ध्वस्त हैं।
३३X१७.८	१५०	१३	३३	"	उत्तम १९०२ वि०	लेख अच्छा है।
३८×१५	६०	१४	६८	पूर्ण उत्तरार्द्ध	उत्तम	लेख अच्छा है।
३७.६×१५	२९०	१४	६०	पूर्ण पूर्वार्द्ध	उत्तम १९२२ वि०	लेख अच्छा है। पृ० ५५, ५६ नहीं है।
३८X१५.२	२८२	१५	५२	पूर्ण उत्तरार्द्ध	उत्तम १९२४ वि०	लेख अच्छा है।
२१.८X१३.८	४४	९	३०	पूर्ण	उत्तम १९३६ वि०	महाभारत आश्वमेधिक पर्वान्तर्गत लेख अच्छा है

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	स्मृति एवं धर्मशास्त्र					
६३४	२	धर्मशास्त्र संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६३५	३	अशौचनिर्णय संस्कृत			,,	,,
६३६	४	सदाचार दीपीका सं०			,,	,,
६३७	५	चन्द्रायणविधिः संस्कृत			,,	,,
६३८	६	स्मृतिसन्दर्भ संस्कृत			,,	,,
६३९	७	ब्रह्मचारी धर्म संस्कृत			,,	,,
६४०	८	स्त्रीणांपूतभूं सं० नि० सं०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३×१५	६२	२३	२५	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० सं० क्रम में नहीं है। विषय अपूर्ण है। लेख सामान्य है।
२५ ०१X१०.०८	४	९	३०	पूर्ण	उत्तम	वैदिक, तान्त्रिक लेख अच्छा है।
१७.०१X८.०९	८	६	२१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। अपूर्ण विषय हैं। लेख अच्छा है।
१८.३×१२.०७	८	१२	२६	पूर्ण	,, १९३९ वि०	लेख सामान्य है। किनारे दीमक से नष्ट हैं। विषय वस्तु ठीक है।
२२×१३.०५	१२	२१	१०	अपूर्ण	प्राचीन	कुछ पेज अधूरे हैं। लेख सामान्य है।
२६.०८×११	२	१९	६८	,,	,,	लेख अच्छा है।
३७.०२X११.०२	२	३९	१४	,,	,,	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	स्मृति एवं धर्मशास्त्र					
६४१	६	विवाहकाल निर्णय सं०			पेपर	देवनागरी
६४२	१०	पाखंडचपेटिका	विजयराघाचार्य		,,	,,
६४३	११	कालिपोत सं०			,,	,,
६४४	१२	मुर्खमदमतंग जंकुश सं०		रामलाल विष्ट देवप्रयाग	,,	,,
६४५	१३	धर्मशास्त्र सं०			,,	,,
६४६	१४	सारसंग्रह सं०	रामानुजदास	अनकागिरि	,,	,,
६४७	१५	आचारप्रदीष संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१.०५x८	२	७	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
२४ ०५x१३	३६	११	४०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२६.०५x१०.०८	२०	९	३७	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है। पृ० १ नही है। विषय अपूर्ण है
२१.०५x१३.०५	४८	१२	२८	,,	,,	लेख अच्छा है।
२४.०२x९.०५	२	९	४३	,,	,,	विषय अपूर्ण है। लेख अच्छा।
२४.०८×१२	८२	११	२९	,,	प्राचीन १८७३ वि.	पृ.१ से १२ नहीं है। १३वां पृ. किनारे से नष्ट है तथा अन्तिम तीन पृ० भी नष्ट हो गए हैं। लेख अच्छा है।
२.०५×९.०५	१४८	१२	४२	,,	प्राचीन	पृ० १ नहीं हैं। विषय अपूर्ण है। लेख अच्छा है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	स्मृति एवं धर्मशास्त्र					
६४८	१६	आचारादर्श संस्कृत	श्रीदत्त चैनसुख महोपाध्याय		पेपर	देवनागरी
६४९	१७	,,	श्रीदत्त उपाध्याय		,,	,,
६५०	१८	सोराद्धारेऽशौच निर्णय सं०			,,	,,
६५१	१९	पराशरस्मृति सं०			,,	,,
६५२	२०	,,			,,	,,
६५३	२१	,,			,,	,,
६५४	२२	,,			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०×१०.०५	२२०	८	२८	पूर्ण	प्राचीन १८८९ वि०	दाहिने किनारे से पृष्ठ टूट गए हैं जिनसे विषय वस्तु भी नष्ट हो गई है। लेख अच्छा है।
२६ ०८X१२.०१	१५०	१०	४१	,,	उत्तम १९२४ वि०	लेख सामान्य है।
२८.०६X११.०८	१०	१४	४०	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८.०५X११.०३	६०	१४	१५	अपूर्ण	,,	पृष्ठ किनारे से दीमक ने नष्ट कर दिए हैं। विषय वस्तु ठीक है। लेख सामान्य है।
२२.०६X१४.०३	४४	२२	१६	अपूर्ण	,,	पहले के ९ पृ० नहीं हैं। लेख सामान्य है। विषय अपूर्ण है।
२४.०५×१३	३४	१६	३४	,,	,,	लेख सामान्य है। विषय अपूर्ण है।
३१.०२X१२.०३	४४	९	४६	,,	,,	पृ० ७५ से ९७ तक है। लेख सामान्य है।

क०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	स्मृति एवं धर्मशास्त्र					
६५५	२३	मनुस्मृति सं०		हृषिकेश	पेपर	देवनागरी
६५६	२४	निर्णयसिन्धु सं०			,,	,,
६५७	२५	धर्मसिन्धुसार सं०			,,	,,
६५८	२६	धर्मसिन्धु सूची-पत्र सं०			,,	,,
६५९	२७	पर्वनिर्णय संस्कृत			,,	,,
६६०	२८	जयन्तिनिर्णय संस्कृत			,,	,,
६६१	२९	मासनिर्णय सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३२x११.०२	९८	११	५२	पूर्ण	प्राचीन १९८० वि.	लेख अच्छा है।
२५ ०५x११.०२	१६	९	४०	अपूर्ण	प्राचीन १९२८ वि.	केवल पृ. ३४ से ४१ तक हैं। लेख सामान्य है।
२५.०४x९.०५	१२	८	३९	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। पृ० १ से ६ तक हैं। विषय अपूर्ण है।
३१x१०.०५	१०	३४	१४	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है। किनारे टूट गये हैं।
१३.०५x११.०५	१२	२२	३१	अपूर्ण	,,	किनारे टूटे हुए हैं। पृ.सं. क्रम में नहीं हैं। लेख सामान्य।
१५.०२x१०.०५	१६	८	१९	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। पृ. किनारे से दीमक द्वारा नष्ट हैं।
२५.०५x१०.०८	६६	१०	३९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। विजयादशमी तक।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	स्मृति एवं धर्मशास्त्र					
६६२	३०	तीथिपर्व लक्षण, सं०			पेपर	देवनागरी
६६३	३१	व्रतखण्ड, सं०			,,	,,
६६४	३२	जन्माष्टमी एवं रामनवमी निर्णय, सं०			,,	,,
६६५	३३	रोहिणीजन्माष्टमी व्रत निर्णय, सं०			,,	,,
६६६	३४	व्रतार्क: संस्कृत			,,	,,
६६७	३५	व्रतार्क: संस्कृत			,,	,,
	कर्मकाण्ड					
६६८	१	प्रयोगरत्नाकर संस्कृत	अनन्त दीक्षित	नारायण भट्ट देवप्रयाग	,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३१X९.०८	२	९	४१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२५×१४.०५	३००	१२	२८	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२९.०६X११.०७	६	१०	२५	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२६.०५X११.०५	८	९	२७	अपूर्ण	,,	अपूर्ण विषय है। लेख सामान्य है। पृ० १ से ४ तक हैं।
२९.०५X१५.०५	५०	१२	३९	,	,,	पृष्ठ संख्या क्रम में नहीं है। लेख सामान्य है।
३६.०५X१६.०५	५५८	१२	४४	पूर्ण	उत्तम १९२२ वि०	लेख अच्छा है।
२३.०५X१०.०५	४००	९	३१	,,	प्राचीन	लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६९	कर्मकाण्ड २	यज्ञोपवीत धारणविधि			पेपर	देवनागरी
६७०	३	पंचगव्य विधि, सं०			,,	,,
६७१	४	गगास्नान विधि सं०		त्रिलोकीप्रसाद त्रिपाठी, देवप्रयाग	,,	,,
६७२	५	अर्घ्यचतुष्ठ्य विधि सं०	विश्वामित्र	कल्पोक्त	,,	,,
६७३	६	अर्घ्य चतुष्ट्य स्कृत	तथैव		,,	,,
६७४	७	वित्तशाठ्यविचार एवं लोकवर्णन, सं०			,,	,,
६७५	८	षोडशस्तम्भ पूजन संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६X१०.०८	८	११	२३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१७X१०.०८	४	१२	२६	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
२०X११	१२	१०	१८	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१२X०७	१६	७	११	,,	,,	लेख सामान्य है।
२०X१०.६	८	८	१९	,,	,,	लेख सामान्य है।
२२X१३.०५	४	१२	३०	,,	,,	लेख सामान्य है।
२४X१२	२०	१०	२८	,,	,,	लेख सामान्य है। किनारे टूटने पर भी विषय वस्तु ठीक है।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
६७६	९	पुण्याहवाचनम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६७७	१०	पुण्याहवाचनम् संस्कृत			,,	,,
६७८	११	सर्वतोभद्रमण्डप-पूजनविधिः सं०		वेंकटराम	,,	,,
६७९	१२	लिंगतोभद्रपूजन-विधि संस्कृत		वंशीराम	,,	,,
६८०	१३	सर्वतोभद्रचकम् चक्षु वि.पू. सं.			,,	,,
६८१	१४	सन्ध्या संस्कृत			,,	,,
६८२	१५	हेमाद्रि संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२x१२.०५	१२	१०	२८	पूर्ण	प्राचीन	अन्तिम पृ. का बांया किनारा दीमक से नष्ट है। विषय वस्तु ठीक है। लेख अच्छा है।
२९x१३.०१	४	२७	१८	,,	,,	यत्रु: शाखीनाम्। लेख सामान्य है।
२१.०५x१२.०५	२०	११	२१	,,	प्राचीन १९११ वि.	लेख सामान्य है। पुस्तक की दशा सामान्य है।
३४.०५x१६	३२	१२	४१	,,	प्राचीन १९२३ वि.	लेख अच्छा है।
२६.०५x१२.०८	४	१६	१६	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२०.०६x१०	१०	६	२२	अपूर्ण	,,	पृ. १५ से १९ तक हैं। लेख सामान्य है।
१६.०५x११.०२	४०	७	१८	,,	,,	पृ. १ से ३ नहीं हैं। विषय अपूर्ण है। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
६८३	१६	नित्यकर्म, सं०			पेपर	देवनागरी
६८४	१७	यज्ञोपवीतधारण विधि, सं०			,,	,,
६८५	१८	वैष्णवाह्निकम् सं०			,,	,,
६८६	१९	हेमाद्रिमहा संकल्प, संस्कृत			,,	,,
६८७	२०	सूत्रकान्ते श्राद्ध संकल्प, सं०			,,	,,
६८८	२१	भोजनदान संकल्प, सं०			,,	,,
६८९	२२	ग्रहणदान संकल्प संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.०६X०६	२	१३	४०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। विषय अपूर्ण है।
१७ ०१X११.०१	१	२६	२०	,,	,,	किनारे के भाग जीर्ण हैं। लेख सामान्य, विषय अपूर्ण।
१६.५X११.०२	३२	७	२१	,,	,,	लेख सामान्य है। विषय अपूर्ण है। किनारे के भाग नष्ट हैं। विषयवस्तु ठीक।
२०.०१X१२.०८	१४	१३	२६	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है। किनारे टूटने पर भी विषय वस्तु ठीक है।
१६.०५X१३.०१	२	२२	१३	,,	,,	लेख सामान्य है।
१८.०२X६.५	२	७	१८	,,	,,	लेख सामान्य है।
१५.०५X१०.०५	८	७	१४	,,	,,	लेख सामान्य है।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६०	कर्मकाण्ड २३	विराटपाठ संकल्प संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६६१	२४	यमद्वीपदान संकल्प संस्कृत			,,	,,
६६२	२५	विविधपर्वस्नान संकल्प, सं०			,,	,,
६६३	२६	सर्वारिष्ट खण्डन संकल्प संस्कृत			,,	,,
६६४	२७	सर्वारिष्टहर संकल्प, संस्कृत			,,	,,
६६५	२८	सर्वारिष्टहर संकल्प, संस्कृत			,,	,,
६६६	२९	सर्वारिष्टहर संकल्प, संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२.०५X१४	६	१३	१३	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.०१X१४.०३	२	१२	१६	,,	प्राचीन	लेख अच्छा है।
१६.०५X११.०२	८	९	२६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। विषय अपूर्ण है।
१५.०६X१५.०५	४	१५	२६	,,	,,	पृष्ठों के किनारे दीमक से नष्ट हैं। परन्तु विषय वस्तु ठीक है। लेख सामान्य है।
२२.०७X१३	२	२४	१५	,,	,,	लेख सामान्य है।
२१.०५X१३.०५	२	२३	१६	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
७६X१६.०८	२	६९	२०	,,	,,	पृष्ठ जीर्णता के कारण फट गया है। विषय वस्तु ठीक है। लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६९७	कर्मकाण्ड ३०	महासंकल्प सं०	जयानंद पंडा		पेपर	देवनागरी
६९८	३१	हेमाद्रि महासंकल्प, संस्कृत			,,	,,
६९९	३२	कन्यादान महा-संकल्प, संस्कृत			,,	,,
७००	३३	हेमाद्रिप्रयोग, सं०			,,	,,
७०१	३४	संकल्पकल्पना संस्कृत	नृसिंह दत्त महाराष्ट्र		,,	,,
७०२	३५	अरिष्टहर संकल्प संस्कृत			,,	,,
७०३	३६	आह्निकक्रम: संस्कृत	श्रीधर नरहरि		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१०	१३	१४
२४X११.०४	१६	७	२६	पूर्ण	प्राचीन १९५५ वि.	लेख सामान्य है। किनारे दीमक से नष्ट है।
२५ ०५X११.०५	८	११	२७	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.०५X१६.०२	१०	१०	२७	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२६.०३X१३	१८	१०	१९	,,	उत्तम	लेख अच्छा है।
२०.०८X१२.०६	४६	९	२४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्यहै। पृ. १ नहीं है।
४४.०७X१५.०३	२	१९	१३	,,	,,	लेख सामान्य है।
१८.०५X१४	१२२	१४	२०	पूर्ण	प्राचीन १९६२ वि.	लेख सामान्य है। कृष्णयजुर्वेदीयतैत्त-रीयणाम्।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७०४	३७	आह्निक सं०			पेपर	देवनागरी
७०५	३८	ब्रह्मयज्ञ सं०			,,	,,
७०६	३९	वैश्यदेवआह्निक			,,	,,
७०७	४०	वैश्वदेव सं०			,,	,,
७०८	४१	ब्रह्मयज्ञ संस्कृत आह्निक			,,	,,
७०९	४२	ब्रह्मयज्ञ आह्निक संस्कृत			,,	,,
७१०	४३	सन्ध्योपासना ब्रह्मकर्म सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६.०५X१०.०२	१२	७	२१	र्ण	प्राचीन १९६२ वि.	लेख सामान्य है।
२३.०८X११.०८	२२	९	२२	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.०६X१०.०५	१२	८	२०	,,	उत्तम	लेख अच्छा है।
२२.०१X१०.०२	१२	७	२६	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२०X८.०६	१८	५	२१	,,	,,	लेख सामान्य है।
२३.०६X११.०३	१२	५	२१	,,	,,	लेख अच्छा है।
२३.०८X११	९०	७	३२	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छाहै। १ से १२ पृ. नहीं है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७११	कर्मकाण्ड ४४	त्रिकालसंध्या सं०			पेपर	देवनागरी
७१२	४५	,,			,,	,,
७१३	४६	संध्या संस्कृत			,,	,,
७१४	४७	संध्या आह्निक सं०			,,	,,
७१५	४८	,,			,,	,,
७१६	४९	संध्या एवं तर्पण-विधि संस्कृत			,,	,,
७१७	५०	संध्याप्रयोग सं०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८.०२×१८	४	१७	२९	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। तैत्तरीय।
२१.०५X९.०९	५०	९	३३	,,	उत्तम	लेख अच्छा है।
२४X१३.०२	५०	९	२२	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२३.०७X१३	२६	९	२०	,,	,,	लेख सामान्य है।
२०.०३X११	२२	८	१९	,,	,,	लेख सामान्य है।
२२.०८X१२.०१	१२	११	२६	,,	,,	किनारे से टूटे हुए हैं। लेख अच्छा है।
१९.५५X१०.०७	१८	८	१६	,,	,,	लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७१८	कर्मकाण्ड ५१	सन्ध्या संस्कृत			पेपर	देवनागरी
७१९	५२	संध्या एवं तर्पण विधि, संस्कृत			,,	,,
७२०	५३	संध्याविधि सं०			,,	,,
७२१	५४	सूक्ष्म ,,			,,	,,
७२२	५५	सन्ध्याविधि सं०			,,	,,
७२३	५६	,,			,,	,,
७२४	५७	मध्याह्न संध्या संस्कृत	नृसिंह भट्ट		,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८.०५X१०.०७	२४	६	२६	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० १ नही है। किनारे फटे हुए हैं। लेख सामान्य है।
२४.०३X१२.०५	१८	१०	३२	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
३०X६.०५	२	२४	२२	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२२.०६X११ ०२	८	८	३६	,,	,,	लेख सामान्य है।
१६.०५X६ ०५	१४	७	३०	,,	,,	लेख सामान्य है। जीर्णता से पुस्तक की दशा अस्त-व्यस्त।
२३.०८X१४.०८	८	१६	२७	,,	,,	लेख सामान्य है।
१६.०८X१२.०५	६	१८	१४	,,	,,	यजुर्वेदीयायस्तम्भीयतैत्तरीय किनारे भीग कर नष्ट हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७२५	५८	विभूतियारण मंत्र संस्कृत			पेपर	देवनागरी
७२६	५९	मध्याह्न एवं साय संध्या के विशेष मंत्र			,,	,,
७२७	६०	सायं सन्ध्या बंदना संस्कृत			,,	,,
७२८	६१	संध्या प्रयोग सं०			,,	,,
७२९	६२	संध्याभाष्यम् संस्कृत			,,	,,
७३०	६३	संध्यागायत्री भाष्य संस्कृत			,,	,,
७३१	६४	शिलारोपण विधि संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	६	१०	११	१२	१३	१४
२२.०५X६.०८	४	६	३१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे भीगकर नष्ट हो गये हैं।
२८X२३	४	२३	३५	,,	,,	पृ० बीच से फटे हुए हैं। लेख अच्छा है।
२०.०३X१०	४	८	२६	,,	,,	लेख सामान्य है।
३०X१३	२	१५	५६	,,	,,	लेख सामान्य है।
३२.०५X१४०५	१२	१५	४७	,,	,,	लेख अच्छा है।
२७.०२X१२.०१	१२०	६	३७	,,	प्राचीन १६४२ वि.	लेख सामान्य है। किनारे से दीमक द्वारा नष्ट है।
२५.०२X११.०१		७	२६	,,	उत्तम	लेख

क्र.सं	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७३२	६५	"गोपूजन" संस्कृत			पेपर	देवनागरी
७३३	६६	नकाव्रतविधि: संस्कृत		नृसिह दत्त महाराष्ट्र	,,	,,
७३४	६७	"महापूजा" सं०		घुंडकू	,,	,,
७३५	६८	नूतनाब्दप्रवेश पूजनवि, संस्कृत		जयराम जी पालीवाल देवप्रयाग	,,	,,
७३६	६९	संकष्टहरचतुर्थी-व्रतम्, संस्कृत			,,	,,
७३७	७०	व्रतोद्यापनम्, सं०			,,	,,
७३८	७१	होमवती अमावस्या संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१.१२×०३	४	११	२५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८ ०५X१०	८	६	२१	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२५.०५X१०	२	६	५०	अपूर्ण	,,	दानखण्डे लिंग पुराणोक्त। महापूजा। केवल प्रथन पृष्ठ।
२३X११	८	७५	१७	पूर्ण	,,	पृष्ठ बीच से फटा हुआ है। लेख सामान्य है।
२०.०६X६.०५	८	११	३०	,,	,,	लेख सामान्य है।
२१.०७X१७.०५	२	२१	२१	,,	,,	लेख सामान्य है।
१४.०२X२७	२	१५	३४	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७३९	७२	पुरश्चरण संकल्प सं०			पेपर	देवनागरी
७४०	७३	प्राणप्रतिष्ठा सं०			,,	,,
७४१	७४	ग्रह प्रार्थना एवं अभिषेक सं०			,,	,,
७४२	७५	भैलादीपपूजनम् सं०			,,	,,
७४३	७६	गोवर्द्धन पूजनम् एवं अन्नकूट विधिः		शिवदत्त	,,	,,
७४४	७७	पशूपूजापद्धतिः			,,	,,
७४५	७८	पंचायतनदेवता स्थापनप्रकारः सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१९.०७X१५.०७	४	११	२४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१X१०.०६	६	९	३०	,,	,,	पानी लगने से पुस्तक ध्वस्त स्थिति में है। किनारे टूटने से विषय वस्तु भी अधिक नष्ट हो गई है। लेख सामान्य।
२४.०२X९.०३	२	७	४६	,,	उत्तम	लेख अच्छा है।
२४.०२X१०	४	९	३१	,,	,,	भविष्योतरादित्यपुराणयो लेख अच्छा है।
२४X९.३	२	९	३५	,,	उत्तम १८८३ वि.	लेख अच्छा है।
२०X१२	६	१०	२४	,,	उत्तम	लेख अच्छा है।
२३.७X९.३	२	७	३७	,,	,,	लेख अच्छा है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७४६	७९	वृक्षप्रतिष्ठा सं०	नृसिंह दत्त महाराष्ट्र		पेपर	देवनागरी
७४७	८०	अश्वदानवि० सं०	नुड़यू		,,	,,
७४८	८१	देवप्रतिष्ठा सं०			,,	,,
७४९	८२	गोपूजनमंत्र सं०			,,	,,
७५०	८३	प्राणप्रतिष्ठा			,,	,,
७५१	८४	नव्यमूर्ति प्रतिष्ठा संस्कृत			,,	,,
७५२	८५	प्रतिमास्थापन विधिः सं० हि०	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.०३x११.०५	१२	८	२४	पूर्ण	प्राचीन १९६८ वि०	लेख सामान्य है।
२५.०२x१२	४	११	२७	,,	उत्तम	लेख अच्छा है।
२०.०५x१२.०५	१८	११	२९	,,	प्राचीन १९२८ वि०	लेख सामान्य है। नृसिंह पुराणोक्त
१६.०५x८.०१	४	६	१६	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे टूटने से विषय वस्तु कुछ नष्ट।
२२x१४	२	१३	३०	,,	,,	पृष्ठ बीच से टूटा हुआ है। लेख सामान्य है।
१५.०५x११.०८	४	१२	१८	,,	,,	लेख सामान्य है।
२१.०८x१३	८	९	२२	,,	प्राचीन १९६७ वि.	लेख सामान्य है। बीच से पृष्ठ टूट गए हैं।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७५३	८६	टिहर्व्यां श्री रघुनाथ मन्दिर प्रतिष्ठा सं०		चुंडकू	पेपर	देवनागरी
७५४	८७	जलाशय प्रतिष्ठा सं०		कमलाकर भट्ट स्वा० भगवत प्रसाद	,,	,,
७५५	८८	अंगारक चतुर्थी व्रतकथा सं०		नृसिंह दत्त महाराष्ट्र	,,	,,
७५६	८९	नागपंचमी एवं सर्प चिकित्सा विधि. हिन्दी, संस्कृत		,,	,,	,,
७५७	९०	जेष्ठाष्टमी कथा संस्कृत			,,	,,
७५८	९१	बुधाष्टमी व्रत विधि सं०		खोताराम	,,	,,
७५९	९२	चन्द्रसहस्त्र विधि सं०	,,	,,	,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.०३x२०.०५	४	४३	३९	पूर्ण	प्राचीन १९३९ वि.	लेख सामान्य है। बीच से पृष्ठ टूट गए हैं।
३३.०६x१२.०७	२४	१०	४६	,,	उत्तम १९१४ वि.	लेख अच्छा है।
२२.०७x१२.०८	६	११	३४	,,	प्राचीन १९५८ वि.	लेख सामान्य है।
२१x१३	४२+	११	३१	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। भविष्योत्तरपुराणात्।
२१.०३x९.०५	९	७	२३	,,	,,	लेख सामान्य है। किनारे टूटे हुए हैं। भविष्यो-त्तरपुराणात्।
२४.०२x११	६	९	२९	अपूर्ण	प्राचीन १९४९ वि.	पृ. १ एवं ३ नहीं हैं। विषय अपूर्ण। किनारे ध्वस्त। लेख सामान्य है।
१६x१०.०५	८	१२	२०	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छाहै।

क० स०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७६०	९३	एकादश्युधापन विधि संस्कृत		पं० हरिशरण पालीवाल	पेपर	देवनागरी
७६१	९४	पंचभीष्मव्रत विधानाम्, संस्कृत			,,	,,
७६२	९५	सत्यानारायण व्रतकथा सं०			,,	,,
७६३	९६	उपाकर्मप्रयोग: संस्कृत		चक्रधर जोशी देवप्रयाग	,,	,,
७६४	९७	श्रावणीपद्धति संस्कृत			,,	,,
७६५	९८	उत्सर्जनोपाकर्म सस्कृत		नारायण भट्ट	,,	,,
७६६	९९	उपाकर्म सं०		चक्रधर जोशी देवप्रयाग	,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३२.०७×१८	३०	१२	३२	अपूर्ण	प्राचीन	बीच में पुस्तक टूट गई है। लेख सामान्य है।
१९x९.६७	४	६	१९	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२१x११.०५	३६	१०	३१	अपूर्ण	,,	लेख अच्छा है। विषय अपूर्ण है।
१८x१६.०५	८	११	२६	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
१७.०७x१०.०४	१४	७	१९	,,	,,	लेख अच्छा है।
२०x११	६६	८	१७	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६.०८x११.०२	२	१०	२७	अपूर्ण	,,	विषय अपूर्ण है। लेख अच्छा है।

क०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७६७	१००	श्रावधयुपा कर्मविधी सं०			पेपर	देवनागरी
७६८	१०१	लघुन्यासः सं०			,,	,,
७६९	१०२	उपाकर्म: सं०			,,	,,
७७०	१०३	उपाकर्मोत्स-र्जनप्रयोग सं०			,,	,,
७७१	१०४	श्रावणी कर्म-विधानम्, सं०	लक्ष्मीधर जोशी देवप्रयाग		,,	,,
७७२	१०५	श्रीवणीपद्धति संस्कृत			,,	,,
७७३	१०६	संस्कारकौस्तुभ संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१९.०८X७.०५	१६	८	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२३ ०६X१२.०१	१०	१०	२३	,,	,,	लेख सामान्य है।
२७.०२X११.०६	८२	६	२९	,,	प्राचीन १९०६ वि.	लेख अच्छा है। किनारे टूट गये हैं। विषय वस्तु ठीक।
२२.०५X१३	२८	११	२२	अपूर्ण	प्राचीन	पृष्ठ २ नहीं है।। लेख सामान्य है।
१९.०५X१५.०५	३८	१६	२०	पूर्ण	,,	किनारे टूटने से विषय वस्तु भी कुछ नष्ट हैं। लेख अच्छा हैं।
१२०.०५X१२	२	१५५	१०	,,	,,	लेख सामान्य है।
२१.०३X१३.०५	६६	१३	३२	,,	,,	लेख सामान्य है।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७७४	१०७	विरजाहोमः सं०			पेपर	देवनागरी
७७५	१०८	षौडशसंस्कार विधिः सं०			,,	,,
७७६	१०९	विवाहमंगल सं०		गंगाराम	,,	,,
७७७	११०	विवाहपद्धति सं०			,,	,,
७७८	१११	,,			,,	,,
७७९	११२	,,			,,	,,
७८०	११३	विरजाहोमः संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७.०३X१०	४४	७	१७	पूर्ण	प्राचीन ११२९ हि.सं.	लेख सामान्य है। सन्यासंग्रहणविधिः।
२१.०५X१०	९८	९	२९	अपूर्ण	प्राचीन	विषय अपूर्ण है। लेख अच्छा है।
१८.०३X१२	१४	८	१८	,,	प्राचीन १९५९ वि०	लेख सामान्य है।
२२.०३X११.०८	२२	१०	३१	पूर्ण	प्राचीन १९०५ वि.	लेख सामान्य है।
१४X१२.०५	८४	८	१५	अपूर्ण	प्राचीन	पुस्तक टूट कर ध्वस्त हो गई। लेख सामान्य अलग-२।
२१.०७X११.०८	४०	८	३९	पूर्ण	उत्तम १९४५ वि.	लेख अच्छा है।
२५.०५X१८	११०	१२	२४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। विषय अपूर्ण है। ५५वां पृ. टूटा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७८१	११४	सप्तसूत्रपद्धति संस्कृत	श्रीमच्छंकराचार्य		पेपर	देवनागरी
७८२	११५	क्षौरविधि: संस्कृत		नृसिंह दत्त महाराष्ट्र	,,	,,
७८३	११६	चूड़ाकर्मपद्धति संस्कृत		चुड़कू	,,	,,
७८४	११७	मुण्डनविधानम् संस्कृत			,,	,,
७८५	११८	अन्नप्राशनम् संस्कृत			,,	,,
७८६	११९	षष्टीदेवी कथा संस्कृत		,,	,,	,,
७८७	१२०	जन्मोत्सवपद्धति संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.०५x१६.०६	८४	१२	२४	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
१२.०७x१९.०३	२	११	२५	अपूर्ण	प्राचीन	अपूर्ण, लेख अच्छा है।
२०.०१x१३.०२	४	१४	३३	पूर्ण	प्राचीन १९३२ वि.	किनारे टूट गए हैं। लेख सामान्य है।
१४x१०	१८	७	११	,,	उत्तम	लेख अच्छा है। (विपन विधिः)
२२.०५x११	४	११	४२	,,	प्राचीन १८०९ वि.	जीर्णावस्था में है। लेख सामान्य है।
१९.०५x१२.०८	२	१९	२६	,,	प्राचीन २९५८ वि.	लेख अच्छा है। स्कन्द पुराणात्।
२२.०८x१०.०५	१४	९	२८	अपूर्ण	प्राचीन	किनारे से ध्वस्त है। पृ. ६ नहीं है। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७८८	कर्मकाण्ड १२१	गर्भाधानसंस्कार संस्कृत		नृसिहदत्त महाराष्ट्र चुड़यु	पेपर	देवनागरी
७८९	१२२	विवाहपद्धति संस्कृत			,,	,,
७९०	१२३	तीर्थश्राद्धः सं०		लक्ष्मीदत्त जोशी देवप्रयाग	,,	,,
७९१	१२४	,,			,,	,,
७९२	१२५	तीर्थविधिः सं०		धर्मदत्त	,,	,,
७९३	१२६	देवप्रयाग तीर्थ श्राद्ध संकल्प सं०			,,	,,
७९४	१२७	काशीप्रयुक्ता तीर्थश्राद्धः सं०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.०३X११.०५	६	११	३०	पूर्ण	प्राचीन १९५३ वि.	लेख अच्छा है। पुस्तक की दशा सामान्य है।
१८.०५X१०	२	८	१९	अपूर्ण	प्राचीन	केवल प्रथम पृष्ठ है। लेख सामान्य है।
१९X१३	२०	९	१९	पूर्ण	,,	अंतिम २ पृ. पर पानी से अक्षर कुछ मिट गये हैं। लेख सामान्य है गौरीय विधिः।
२१.०५X१३.०३	१००	१२	३५	,,	,,	लेख सामान्य है।
१८.०९X१२.०५	२०	१२	२०	,,	प्राचीन १९३६ वि.	लेख सामान्य है।
०२	४	१६	१२	,,	प्राचान	लेख सामान्य है।
२३X९.०८	२	१०	४१	,,	,,	लेख सामान्य है।

क्र.स	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
७९५	१२८	सकलगयाकृत्य प्रोग्राम सं०			पेपर	देवनागरी
७९६	१२९	गयायात्राप्रभृति श्राद्धपयोग: सं०		दामोदर	,,	,,
७९७	१३०	आयुष्यहोम: सं०			,,	,,
७९८	१ १	तीर्थयात्रा विधि सं०			,,	,,
७९९	१३२	तर्पणविधि संस्कृत			,,	,,
८००	१३३	,,			,,	,,
८०१	१३४	,,			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२६.०५X११०८	४०	६	३५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। अपूरण ह।
२३.०५X११ ०१	२०	१७	३६	पूर्ण	प्राचीन १७६३ वि०	लेख सामान्य है।
१३.०२X६.०४	१२	८	१५	,,	प्राचीन	किनारे फट गए है। लेख सामान्य है।
२५X११	३४	१०	४२	पूर्ण	प्राचीन १७०० वि.	लेख सामान्य है। किनारे दीमक से नष्ट हैं।
५४.०५X२०	२	४५	१५	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
११.०२X११	८	६	१५	अपूर्ण	,,	दाहिना भाग दीमक से नष्ट है। कुछ विषय बस्तु भी नष्ट हैं। लेख सामान्य है।
३९X१८.०२	२	५१	२२	,,	,,	पृ० का प्रथम भाग नष्ट है। लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
८०२	१३५	तर्पणप्रयोग: संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८०३	१३६	नित्यतर्पण संस्कृत			,,	,,
८०४	१३७	देवर्षि तर्पण संस्कृत			,,	,,
८०५	१३८	तर्पणश्राद्ध विधि संस्कृत			,,	,,
८०६	१३९	,,			,,	,,
८०७	१४०	श्राद्धतर्पण विधि संस्कृत			,,	,,
८०८	१४१	त र्णविधि संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१X१२	८	८	२९	पूर्ण	प्राचीन	किनारे दीमक से नष्ट हैं। लेख सामान्य है।
२४.०६X९	२	११	५०	,,	,,	लेख सामान्य है।
६१X२४.०५	२	४९	३५	,,	,,	अन्तिम भाग नष्ट है। लेख सामान्य है।
१५X१०.३	६८	१२	१८	,,	,,	लेख तथा कागज भिन्न हैं। लेख सामान्य है।
३४.०१X१०.०८	८	३२	१५	,,	,,	लेख सामान्य हैं।
२२.०१X१३.०५	५०	९	२७	,,	प्राचीन १९२९	बीच से टूटे हुए पृ० किनारे से टूटे हैं। लेख सामान्य है।
७८X९.०२	२	१३०	१७	,,	प्राचीन	प्रथम भाग एवं अन्तिम भाग दीमक से नष्ट हैं। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८०९	कर्मकाण्ड १४२	ब्रह्मकपालश्राद्ध संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८१०	१४३	आत्मतुलादान			,,	,,
८११	१४४	उपनयनवेदारंभ समावर्तन पद्धतिः संस्कृत			,,	,,
८१२	१४५	विवाह पुंसवनआदि कर्म पद्धति, सं०		आचार्य चक्रधर जोशी देवप्रयाग	,,	,,
८१३	१४६	तीर्थ श्राद्ध निर्णय संस्कृत			,,	,,
८१४	१४७	षोडशसंस्कार पद्धति संस्कार			,,	,,
८१५	१४८	याजुषप्रयोग चिन्तामणि सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२९.०५X१८.०२	२	२९	३२	पूर्ण	प्राचीन	बीच से पृ. टूटा हुआ है। लेख सामान्य है।
१३X१६.०७	१३०	१७	२१	,,	,,	लेख दो प्रकार का हें। लेख अच्छा है।
१८X१०.०५	९४	११	२४	,,	उत्तम २०१० वि.	लेख अच्छा हैं। आयस्तम्बीय तैतरीय सूत्रानुसारण।
१७.०५X१०	६५२	१९	२६	,,	प्राचीन	लेख अच्छा है।
१६.०५X१०	३१६	१७	२१	,,	,,	लेख अच्छा है।
१५X१६.०७	३७६	२३	१८	,,	उत्तम	लेख अच्छा है। यात्रुषप्रयोगेपारिज्ञातानुसारेण यजुर्वेदीय तैत्तरीयपस्तम्बानाम्।
२१X१६.०७	१४	२७	३३	,,	प्राचीन	लेख अच्छा है।

क्र॰सं॰	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८१६	कर्मकाण्ड १४६	दसदानविधिः संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८१७	१५०	संध्याक्रमः संस्कृत			,,	,,
८१८	१५१	गृहादिनिर्माण विचार सं॰			,,	,,
१६	१५२	गौमुखप्रसव शान्ति सं॰			,,	,,
८२०	१५३	महालयश्राद्ध सं॰			,,	,,
८२१	१५४	दशनाम "अपरकर्म"			,,	,,
८२२	१५५	पंचकशान्ति संस्कृत			,,	,,

आकार सें० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३X१४.०५	१४	२७	१६	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। पुस्तक के किनारे टूटे हुए।
३३X२१	२	३९	३१	,,	,,	लेख सामान्य है। पृष्ठ बीच में टूटा हुआ है।
२०.०५X१६.०६	२६	११	३०	,,	,,	लेख सामान्य है। किनारे टूटे हुए हैं।
१८X२१.०७	१०	१४	२१	,,	,,	लेख सामान्य है।
२०X११.०७	४६	११	२९	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२४.०२X९ ०५	१०२	७	३५	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२०.०७X१३.०८	८	१४	३१	,,	,,	किनारे टूटे हुए हैं। लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	८	७
	कर्मकाण्ड					
८२३	१५६	पंचधेनुदान विधि संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८२४	१५७	दशदान विधि संस्कृत			,,	,,
८२५	१५८	अभिश्रवण पितृसंहिता सं०			,,	,,
८२६	१५६	श्राद्धकृत्य सं०			,,	,,
८२७	१६०	पितृभागः सं०		हनुमान भट्ट	,,	,,
८२८	१६१	पिंड पतृ यज्ञ संस्कृत			,,	,,
८२६	१६२	महालयश्राद्धः संस्कृत			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
६७.०१X२०.०५	२	५४	२२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
६७.०१X२०.०२	२	५५	२६	,,	प्राचीन १९४१ वि.	लेख सामान्य है। प्रथम भाग टूटा हुआ हैं।
२१.६५X११.०३	१०	११	२९	,,	प्राचीन	जीर्णता के कारण किनारे छूट गए हैं। लेख अच्छा है।
२५X१२.०५	१०	१२	२५	अपूर्ण	,,	अपूर्ण। लेख सामान्य है।
२२.०५X१३	३२	९	२८	,,	,,	जिर्णता के किनारे टूट गए हैं। लेख सामान्य हैं।
२३X८.०५	६	१५	५०	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
१७X११.०६	२४	१०	२२	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है। दीमक द्वारा बीच में छद हैं। माध्यन्दिनधारणीय।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
८३०	१६३	सांवत्सरिक महालयश्राद्ध सं०			पेपर	देवनागरी
८३१	१६४	,,			,,	,,
८३२	१६५	,,			,,	,,
८३३	१६६	,,			,,	,,
८३४	१६७	पार्वणश्राद्ध प्रयोग संस्कृत			,,	,,
८३५	१६८	,,		हरिशरण पालीवाल पौराणिक	,,	,,
८३६	१६९	नारायणबलि सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३.X१०	३२	७	३९	अपूर्ण	प्राचीन	पृ. १ नहीं है। अपूर्ण है। लेख अच्छा है। किनारे ध्वस्त हैं।
१७.०५X११.०६	५०	१२	१९	पूर्ण	,,	किनारे ध्वस्त हे। लेख अच्छा है।
२५X११	२४	७	३०	अपूर्ण	,,	पृ० १,२,३,६,१०,१६ नहीं हैं।लेख सामान्य है। पुस्तक की दशा हीन है।
२२.०५X९.०४	३०	६	२३	,,	,,	पृ. १ नहीं है। लेख सामान्य है। किनारे ध्वस्त हैं। अपूर्ण।
१५X१२	१६	१३	१६	पूर्ण	प्राचीन १८९६ वि.	लेख सामान्य है
२०.०३X१७	८	२१	१८	अपूर्ण	प्राचीन	किनारे ध्वस्त हैं। अपूर्ण है। लेख अच्छा है।
१९.०५X१०	६	९	२६	,,		लेख सामान्य है। किनारे ध्वस्त हैं। अपूर्ण है।

क्र.सं	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
८३७	१७०	माणिककुम्भ दानविधि सं०			पेपर	देवनागरी
८३८	१७१	त्रिपिण्डी श्राद्धप्रयोगः सं०			,,	,,
८३९	१७२	द्वादशाह नारायण-बलि संस्कृत	नारायण भट्ट		,,	,,
८४०	१७३	एकादशाह श्राद्ध संस्कृत			,,	,,
८४१	१७४	दशगात्रविधिः संस्कृत			,,	,,
८४२	१७५	प्रेतशवसंस्कार प्रयोगः संस्कृत		खुशीराम जोशी	,,	,,
८४३	१७६	मृतास्थितिप्रोक्षण-प्रयोगः संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	६	०	११	२	१३	१४
२२x१३	६	१०	२१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे ध्वस्त हैं।
२५.०५x११.०५	६	१३	३५	,,	प्राचीन १७८२ वि०	किनारे भीगकर नष्ट हैं।
२१x६.०५	८२	११	३७	अपूर्ण	प्राचीन १६५० वि.	जीर्णता के कारण किनारे ध्वस्त हैं। लेख अच्छा है।
३५.०५x१४	२	३०	२१	पूर्ण	प्राचीन	बीच-२ में फटा हुआ है। लेख सामान्य है।
२४.०२x११.०३	४	११	२६	,,	,,	लेख सामान्य है।
२२x१३	२०	१२	२३	,,	,,	लेख सामान्य है। किनारे ध्वस्त हैं।
२१x११.०२	२	१२	२७	अपूर्ण	,,	लेख अच्छा है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८४४	कर्मकाण्ड १७७	दुर्मरणप्रेताद्धा. संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८४५	१७८	मरणात्पूर्वक्रिया पद्धति सं०			,,	,,
८४६	१७६	श्राद्धचंद्रिका सं०		बैजनाथ	,,	,,
८४७	१८०	षोडषमासिक श्राद्धनामामि सं०			,,	,,
८४८	१८१	कीर्तिकमनन शान्ति संस्कृत			,,	,,
८४६	१८२	तुलापुरुषदान पद्धति संस्कृत	नारायण भट्ट		,,	,,
८५०	१८३	दानवाक्य समुच्चय संस्कृत		देवनारायण	,,	,,

आकार से मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०		१२	१३	१४
२२.०[illegible]X६	१०	६	२२	पूर्ण	प्राचीन १६६६ वि.	लेख अच्छा है।
२५X१[illegible].०२	४	११	२३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। अपूर्ण है।
२४.०७X१०.०७	१६०	९	३३	पूर्ण	उत्तम १८४२ वि.	लेख अच्छा है।
३०.०५X१६.०५	४	१०	४	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२३X१४.०७	२६	९	२५	अपूर्ण	,,	किनारे टूटे हुए हैं। लेख सामान्य है।
२४.०३X१०	८२	१०	३५	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२३.०६.१०.०६	४६	१०	२९	,,	प्राचीन १९३१ वि.	लेख सामान्य है।

क० म०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	आलेख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
८५१	१८४	प्रायश्चित-स्थानम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८५२	१८५	काकस्पर्शनमैथुन-दर्शनशान्ति सं		खेमराम	,,	,,
८५३	१८६	घटपद्धतितुलादान संस्कृत		धर्मदत्त	,,	,,
८५४	१८७	घटपद्धति सं०			,,	,,
८५५	१८८	आत्मतोलन विधि संस्कृत			,,	,,
८५६	१८९	वृषमदान एवं महिषीदान विधि संस्कृत			,,	,,
८५७	१९०	आरामोत्सर्ग पद्धति संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२८.०३X११.०७	४	११	२५	पूर्ण	प्राचीन	किनारे टूटे हुए हैं लेख सामान्य हैं।
२५.०३X१०.०१	६	९	३३	,,	प्राचीन	अन्तिम पृ. की चौड़ाई कम है लेख सामान्य हैं।
२३.०३X१३.०५	२२	१६	३४	,,	प्राचीन १९३४ वि.	मात्स्य पुराणात्।
२२X९२.०५	१४	१३	३५	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे टूटे हुए हैं। मात्स्य-पुराणात्।
२०.०५X१०	१४	८	२६	अपूर्ण	,,	किनारे टूटे हुए हैं। विषय अपूर्ण है। लेख अच्छा है।
२४X१३	४	१०	२७	पूर्ण	,,	लेख दो प्रकार का है। लेख अच्छा है।
२३.०२X९	६	८	४१	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।

क्र.स	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८५८	कर्मकाण्ड १९१	नानाद्रव्य दान सं०			पेपर	देवनागरी
८५९	१९२	पददानम् सं०			,,	,,
८६०	१९३	गजदान विधि सं०			,,	,,
८६१	१९४	दानद्रव्यदेवता संस्कृत			,,	,,
८६२	१९५	वृन्तुलादान विधि संस्कृत	गोपाल पाठक		,,	,,
८६३	१९६	तुलादान पद्धति सस्कृत			,,	,,
८६४	१९७	गद्रान्तशान्ति संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.०२X१०.५	२	८	३४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२३.०८X९.०३	४	७	३९	,,	,,	लेख अपूर्ण है। लेख अच्छा।
२३ ०७X१३.०२	४	१०	२६	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
२३.०६X११.०६	२	८	२५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। विषय अपूर्ण हैं।
२४X११.०८	६	१३	२७	पूर्ण	प्राचीन १६८८ वि.	लेख सामान्य है।
२१.११X०७	४	११	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है विषय अपूर्ण है।
२३ ०४X१०.०५	६	८	३०	,,	प्राचीन १९५९ वि.	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
८६५	१९८	शान्तिविधानम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८६६	१९९	अद्भुतशांति संस्कृत		नरसिंह दत्त	,,	,,
८६७	२००	मूलशांति सं०			,,	,,
८६८	२०१	तुलादान विधि संस्कृत			,,	,,
८६९	२०२	घट पद्धति तुलादान		रुद्रानन्द	,,	,,
८७०	२०३	तुलादान सामग्री सं०			,,	,,
८७१	२०४	घृतछायातिलपात्रम् संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३.०५X१५.०५	४०	१४	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.०५X१३.०२	१८	११	३३	,,	प्राचीन १९२४ वि.	लेख सामान्य है।
२०.०८X१२.०१	१८	१०	२५	,,	उत्तम	प्रतापनरसिंहसंस्कार। प्रकशिश्चेन। लेख अच्छा।
२०.०८X१३	१८	११	३०	,,	प्राचीन १९६० वि.	भविष्यपुराणोक्त लेख सामान्य है।
२०.०२X१३	१४	१३	२१	,,	प्राचीन १९२१ वि.	किनारे ध्वस्त हैं। लेख सामान्य है।
२६.०५X१८.०८	७	१५	२६	,,	प्राचीन	किनारे ध्वस्त हैं। लेख सामान्य है।
२१.०२X१३.०५	१८	१६	२०	अपूर्ण	,,	जीर्णता के कारण किनारे ध्वस्त हैं। लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८७२	कर्मकाण्ड २०५	गोमुख प्रसव शान्ति सं०		हनुमान भट्ट कौटिल्य	पेपर	देवनागरी
८७३	२०६	,,			,,	,,
८७४	२०७	दशशांति सं०			,,	,,
८७५	२०८	प्रायश्चितप्रपदनम् संस्कृत			,,	,,
८७६	२०९	प्रायश्चित प्रयोग संस्कृत			,,	,,
८७७	२१०	काकवेंकृति शान्ति सं०			,,	,,
८७८	२११	शान्तिपाठ सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६X१२.०४	२२	८	१६	पूर्ण	प्राचीन १८६४ वि.	किनारे ध्वस्त हैं। लेख सामान्य हैं।
१८.०२X६.०८	६	६	२२	अपूरण	प्राचीन १६६४ वि.	किनारे ध्वस्त हैं। लेख सामान्य है।
२०X११ ०५	८	१२	२७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे नष्ट हैं।
१६.०२X६.०५	४	११	२५	,,	,,	लेख सामान्य है।
१७ ०७X६.०५	१२	६	२८	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
१८.०८X८.०७	२	१२	४०	,,	,,	लेख अच्छा है। "गर्ग संहिताय"।
१६.०६.११.०३	१२	८	२१	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे ध्वस्त हैं। "नीलसूक्तम"।

क्र.सं	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
८७९	२१२	शांतिस्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
८८०	२१३	तिलपात्रदान विधि संस्कृत			,,	,,
८८१	२१४	अपामार्जनस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
८८२	२१५	,,		धर्मदत्त त्रिपाठी देवप्रयाग	,,	,,
८८३	२१६	,,			,,	,,
८८४	२१७	आश्लेषानक्षत्र जननशांति सं०			,,	,,
८८५	२१८	मूलर्क्षशान्ति संस्कृत		गोस्वामी मधुसूदन लवपुर	,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१x९.०६	८	९	२७	अपूर्ण	प्राचीन	दूसरा पृ० पानी से भीगा हुआ है। लेख सामान्य है। रुद्रयामलात।
२० ०७x१६.०५	२	१३	३०	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२३.०१x११	१६	१०	३३	,,	प्राचीन १८५८ वि.	लेख सामान्य है।
२९.०५x१० ०६	३२	८	३०	अपूर्ण	प्राचीन १९३५ वि.	लेख दो प्रकार का है। विष्णुधर्मेतिरात्।
२६.०८x११.०८	१८	१०	४७	पूर्ण	प्राचीन	किनारे ध्वस्त हैं। लेख सामान्य है।
२५.०५x९ ०५	२	९	४०	अपूर्ण	,,	विषय अपूर्ण हैं। लेख सामान्य है।
२५.०४x१६.०६	८६	१२	२	पूर्ण	प्राचीन १९२६ वि.	लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
८८६	२१९	दानमयूख सं०	नीलकंठ	नरसिंहदत्त महाराष्ट्र	पेपर	देवनागरी
८८७	२२०	शांतिरत्नाकर संस्कृत			,,	,,
८८८	२२१	तुलाप्राण प्रतिष्ठा संस्कृत			,,	,,
८८९	२२२	शांतिसार सं०			,,	,,
८९०	२२३	गायत्रीस्तवरात्र-स्तोत्रम्, संस्कृत	विश्वमित्र	मंगलानन्द	,,	,,
८९१	२२४	गायत्रीसहस्रनाम संस्कृत			,,	,,
८९२	२२५	गायत्रीपचांगम संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२७.०८x१२.०३	८	८	४०	पूर्ण	प्राचीन १९३६ वि.	लेख ामान्य है।
२७.०५x१२	५४	८	५२	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। किनारे टूटे हुए हैं।
१५.०१x१०	२	१६	१५	,,	,,	लेख सामान्य है।
३०x१२.०५	१२	१२	४८	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
१६.०७x९.०२	३२	६	२२	पूर्ण	उत्तम १९०९ वि.	लेख अच्छा है
१६.०८x९.०७	६८	६	१५	,,	उत्तम	लेख अच्छा है। महातान्त्रिकात्।
१६x९.०७	८२	६	१६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। अपूर्ण है। रुद्रयामलात्।

क०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
८६३	२२६	गायत्रीकल्पम् सं०			पेपर	देवनागरी
८६४	२२७	ब्रह्मशायनिमोचनम् संस्कृत			,,	,,
८६५	२२८	गायत्रीब्रह्मशायनि-मोचनम् सं०			,,	,,
८६६	२२९	वशिष्ठशायनि-मोचनम् संस्कृत			,,	,,
८६७	२३०	,,			,,	,,
८६८	२३१	,,			,,	,,
८६९	२३२	,,			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	०	११	१०	१३	१४
१७X१०	२६	६	१४	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है। ब्रह्मामलात।
१५.०१X१०.०५	२	१२	३२	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६.०५X१०.०१	२	९	१४	,,	,,	लेख सामान्य है।
१६.०५X११	२	७	११	,,	,,	लेख सामान्य है।
१९.०५X१०	२	७	१९	,,	,,	किनारे फटे हुए हैं। लेख सामान्य है।
१४.०३X१०.०५	२	११	१६	,,	,,	लेख सामान्य है।
१४.०२X१०	२	९	१५	,,	,,	लेख सामा य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६००	कर्मकाण्ड २३३	गायत्रीहृदयम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६०१	२३४	गायत्रीकवचम् संस्कृत			,,	,,
६०२	२३५	गायत्रीतर्पण विधि सं०			,,	,,
६०३	२३६	मृतसंजीवनी मंत्र संस्कृत			,,	,,
६०४	२३७	गायत्रीभाषाछंद			,,	,,
६०५	२३७	दुर्गागायत्री मंत्र सं०			,,	,,
६०६	२३८	गायत्रीपटल सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८.६X०८	४८	६	१६	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा हैं।
१७X९.०५	१४	६	१४	,,	,,	लेख अच्छा है। "ब्रह्मामलात्"।
१५ ०५X९	२०	७	२१	अपूर्ण	प्राचीन	पृ० १ नहीं है। लेख सामान्य है।
१६.०८X८.०६	६	४	१६	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
१७X११.०६	३४	९	१७	अपूर्ण	,,	पृ० १ गहीं है। लेख सामान्य ।
१६X१०.०७	६	८	१८	पूर्ण	,,	लेख भिन्न-२ है लेख सामान्य है।
१७X१०	२६	६	१४	,,	उत्तम	लेख अच्छा है। "ब्रह्मामलात्"।

क्र.सं	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६०७	कर्मकाण्ड २४०	चतुर्विशति-गायत्री संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६०८	२४१	,,			,,	,,
६०९	२४२	गायत्रीस्तवराजम् संस्कृत			,,	,,
६१०	२४३	गायत्रीअष्टोत्तर-सहस्रनामावलि सं.			,,	,,
६११	२४४	चतुर्विशति-गायत्री सं०			,,	,,
६१२	२४५	गोपालगायत्री सं०			,,	,,
६१३	२४६	गायत्रीवचम् संस्कृत			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१२.०५x९.०७	२६	८	१८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१५.०६x१९.०१	४	९	२६	,,	,,	लेख सामान्य है।
१७x९.०६	५४	६	१५	,,	उत्तम	लेख अच्छा है। "ब्रह्मामामलात"।
१९.०८x९.०६	२४	९	३१	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। "विष्णुमामलात। अंतिम पृ. दीमक से नष्ट है।
१९x०९.०७	४	१६	४७	,,	उत्तम	लेख अच्छा है।
२०.०२x१०.०२	६	८	३०	,,	,,	लेख अच्छा है।
२३x१९	२	२४	२४	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। बीच से फटा हुआ है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
६१४	२४७	गायत्रीकल्प सं०			पेपर	देवनागरी
६१५	२४८	गायत्रीहृदयम् संस्कृत			,,	,,
६१६	२४९	गायत्रीसहस्रनाम संस्कृत		हंसराज मिश्र देवप्रयाग	,,	,,
६१७	२५०	गायत्रीकल्प सं०		श्रीराम सहाय	,,	,,
६१८	२५१	गायत्रीमाला			,,	,,
६१९	२५२	गायत्रीसहस्रनामावलि सं०			,,	,,
६२०	२५३	गायत्रीरहस्यम् संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१x१०	१०	८	२४	पूर्ण	प्राचीन	किनारे टूट गए हैं। लेख सामान्य है।
२१.०५x९.०८	२	१२	३४	,,	,,	लेख सामान्य है। "अथर्वनीय"।
२२x९.०५	२४	१०	३५	,,	,,	लेख सामान्य है। उमामहेश्वर संवाद।
२१x१०.०७	१०	७	२४	,,	,,	लेख सामान्य है। किनारे टूटे हुए हैं।
१९.०५x८.०५	२	२३	१७	अपूर्ण	,,	केवल अंतिम पृष्ठ है। लेख सामान्य है।
२१.०२x१३	१४	१६	३५	पूर्ण	,,	लेख अच्छा है।
२०.०२x१०.०७	२०	१४	३३	अपूर्ण	,,	लेख अच्छा है। विषय अपूर्ण हैं।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
६२१	२५४	गायत्रीविश्वनिधि गायत्रीहृदयम्‌च सं			पेपर	देवनागरी
६२२	२५५	पुत्र फलदंनामस्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
६२३	२५६	सन्तानकारक स्तोत्रमंत्र संस्कृत			,,	,,
६२४	२५७	मंत्रमुक्तावली सं०			,,	,,
६२५	२५८	,,		ठाकरलाल जालौननुदई	,,	,,
६२६	२५९	मंत्रबीजकोष			,,	,,
६२७	२६०	मंत्र शास्त्रम् संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३.०५x१२.०१	८४	१३	२७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१२.०२x७.०३	६	७	१८	,,	उत्तम	लेख अच्छा है। स्कन्दपूराणात् ।
४१.०३x१९.०५	२	३४	१५	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८.०२x१३.०३	१८	८	२४	,,	प्राचीन १९२५ वि.	प्रथम पृ. का बांया किनारा फटा हुआ है। लेख सामान्य।
२०.०४x१०.०५	१६	९	३४	पूर्ण	पाचीन १९२६ वि.	लेख सामान्य है।
१७.०३x१०.०४	१०८	७	२६	अपूर्ण	प्राचीन १९६६ वि.	पृ. २८, ३४ नहीं है। "रुद्रयामलात्"।
१९.०१x९.०३	३८	७	२३	,,	प्राचीन	पृ. १९, २० नहीं है। लेख सामान्य है। किनारे फटे हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
६२८	२६१	अंगारकमहामंत्र जपविधि संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६२६	२६२	कवचस्तोत्रमंत्र			,,	,,
६३०	२६३	मन्त्रन्यासकवचम् संस्कृत			,,	,,
६३१	२६४	न्यासध्यस्नवि. सं.			,,	,,
६३२	२६५	प्रत्यंगिरब्रह्मास्त्र-विधानं पाशुयतास्त्र लक्ष्मणमहामंत्र सं		कृपाराम	,,	,,
६३३	२६६	सन्तानोत्पादन मंत्र सं०			,,	,,
६३४	२६७	शीघ्रप्रसूतिमंत्र सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१९.०३X१०.०३	२	८	२७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य हैं। विषय अपूरण हैं।
१७.०२X११	६०	१०	२७	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
१८.०६X५.०८	४	८	३०	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है। अपूर्ण।
५.०७X१८	२०	८	१२	,,	,,	लेख सामान्य है।
१७X१२.०६	२२	७	१३	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
१६X७.०३	२	६	२१	,,	,,	लेख अच्छा है।
२०.०१X५.०५	२	८	३२	,,	,,	लेख सामान्य है।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६३५	कर्मकाण्ड २६८	घंटाकर्णमंत्र सं०			पेपर	देवनागरी
६३६	२६९	घंटाकर्णमंत्रानुष्ठानम् सं०			,,	,,
६३७	२७०	वाष्मातुरमंत्र संस्कृत			,,	,,
६३८	२७१	कार्यसिद्धिमंत्र सं.			,,	,,
६३९	२७२	भूतिलिपिमंत्र सं०			,,	,,
६४०	२७३	अजयविधि सं०		भवानीदत्त रुद्रपुर	,,	,,
६४१	२७४	पंचाक्षरलया विधि संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.०२X१३.०२	२	१६	१५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
६२.०६X१५.०२	२	२७	२९	,,	,,	लेख सामान्य है।
१७.०५X१०.०८	४	११	१४	,,	,,	लेख सामान्य है।
१६X१०.०३	२	१३	१५	,,	,,	लेख सामान्य है।
१६X९.०३	२	१०	२८	,,	,,	लेख सामान्य है।
१८.०४X१०.६५	१६	८	२१	,,	उत्तम १९४५ वि.	लेख अच्छा है
२१.०३X१३.०५	२	१९	२१	अपूर्ण	प्राचीन	प्रथम भाग नष्ट हैं। लेख अच्छा है।

क०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	कर्मकाण्ड					
६४२	२७५	जयमालावि. सं०			पेपर	देवनागरी
६४३	२७६	अक्षरमाला वर्णमाला संस्कृत			,,	,,
६४४	२७७	पूर्णदीक्षवि. सं०			,,	,,
६४५	२७८	दीक्षाकाल निर्णय सं			,,	,,
६४६	२७९	मन्त्रविधि सं०			,,	,,
६४७	२८०	गुरुकवचम् सं०			,,	,,
६४८	२८१	गुरुगीता सं०		कामरूप	,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२X१०.०२	२	६	४६	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
४१X१६.०५	२	३५	१७	,,	प्राचीन १९५५ वि.	लेख सामान्य है।
२०.०३X१०.०८	८	१०	२६	अपूर्ण	प्राचीच	लेख सामान्य है। अपूर्ण हैं। पृ. २ नहीं है।
१७.०१X११.०१	१८	७	१४	पूर्ण	,,	दायां किनारा टूटा हुआ हैं। लेख सामान्य है।
२४X१३	१८	१३	३१	अपूर्ण	,,	अति जीर्णता के कारण किनारे नष्ट, अपूर्ण। लेख सामान्य।
२२.०८X१४.०४	२	१३	३१	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है। बीच में टूटा हुआ है।
१७X८.०१	२४	६	२८	,,	प्राचीन १८६६ वि.	लेख अच्छा है। किनारे टूटे हुए हैं। स्कन्दपुराणात्।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६४९	कर्मकाण्ड २८२	रामगीता सं.			पेपर	देवनागरी
६५०	२८३	मन्त्रोद्वार सं०			"	"
६५१	२८४	सीतागायत्री सं०			"	"
६५२	२८५	शीघ्रप्रसवमंत्र सं०			"	"
६५३	२८६	शापविमोचन सं०			"	"
६५४	२८७	चतुर्थिशांति गायत्री सं०			"	"
६५५	२८८	गायत्रीस्तवराजम् संस्कृत	विश्वमित्र		"	"

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१९.०५X१०.०५	४	१२	३३	अपूर्ण	प्राचीन	केवल पृ. ४, ९ हैं। लेख सामान्य है।
२३.०५X१२.०५	१४०	१२	२२	पूर्ण	,,	किनारे टूटे हुए हैं। लेख सामान्य है।
१६X८.०५	२	८	१९	,,	,,	लेख अच्छा है।
१२.०५X८	२	६	१०	,,	,,	लेख सामान्य है।
३६.०५X१२.०५	२	२३	१५	,,	,,	जीर्णता के कारण किनारे टूट गए। लेख सामान्य है।
२५X१२	३४	६	२१	,,	उत्तम	लेख अच्छा है।
२३X११.०८	१४	८	२४	,,	,,	लेख अच्छा है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९५६	कर्मकाण्ड २८९	व्याधिनाशार्थ गायत्रीजप संस्कृत			पेपर	देवनागरी
९५७	२९०	गायत्रीकल्प			,,	,,
९५८	२९१	मालासंस्कार विधि संस्कृत			,,	,,
९५९	२९२	मालासंस्कार. सं.			,,	,,
९६०	२९३	सिद्धसाध्योदा-हरणम् सं.			,,	,,
९६१	२९४	बीजकोश: सं०			,,	,,
९६२	२९५	सकलागमसारे उद्धारकोश: सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	६	१०	११	१२	१३	१४
१६.०५X४.०५	२	५	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य हैं।
२७.०५X११.०५	४	११	४३	,,	प्राचीन १६२६ वि.	लेख सामान्य है।
२५.०५X६.०६	२	१४	४५	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२६X१२	४	१०	३२	,,	,,	बीच में दीमक द्वारा नष्ट लेख सामान्य है। "सनत्कुमार संहिता"।
२५.०२X२३.०५	२	१५	२३	,,	,,	बीच में फटा हुआ हैं। लेख अच्छा है।
२७ ०५X१२.०५	४	१०	४६	अपूर्ण	प्राचीन १६२४ बि.	केवल पृ २०-२१। लेख अच्छा है।
२६.०८X१२ ०२	२८	१८	४६	,,	प्राचीन	पृ.१ का किनारा नष्ट है। लेख सामान्य है।

क०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६३	कर्मकाण्ड २९६	मन्त्रार्णवमाला सं०			पेपर	देवनागरी
६६४	२९७	मन्त्रविधानम् सं०			,,	,,
६६५	तन्त्र १	मंत्रयंत्रपद्धति सं०			,,	,,
६६६	२	मातंगीकवच सं०			,,	,,
६६७	३	दक्षिणीसाधनम् सं.		तरुणि ऋषि	,,	,,
६६८	४	कौलबानन्द लहरी संस्कृत			,,	,,
६६९	५	चाक्षुषीविद्या सं०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२६ ०५X११	३८	८	३७	पूर्ण	प्राचीन	किनारे नण्ट हैं । लेख सामान्यहै ।
३१.०५X१५ ०५	१८	१५	६१	,,	उत्तम	लेख अच्छा है ।
१७X११.०५	१२	८	२२	अपूर्ण	प्राचीच	विषय अपूर्ण । अस्तव्यस्त । लेख सामान्य । है
३३.०८X१६ ०३	२	३०	२२	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है ।
१३८X२०	२	१४१	२३	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है ।
२०.०५X१४	२४	११	२६	पूर्ण	प्राचीन १९५० वि.	लेख सामान्य है ।
२०.०५X९.०५	२४	९	२८	,,	उत्तम	लेख अच्छा है ।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६७०	तन्त्र ६	मार्तंगीकवचकर्ण पिशाचनीमंत्र सं०			पेपर	देवनागरी
६७१	७	दत्तात्रेयपटल सं०			"	"
६७२	८	मार्तंगीकवच संस्कृत			"	"
६७३	६	मन्युसूक्त सं.			"	"
६७४	१०	आसुरीकल्पम् सं०		देवीदीन त्रिपाठी	"	"
६७५	११	मुर्दासाधनम् सं०			"	"
६७६	१२	नौकापीठवर्णन			"	"

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	०	११	१०	१३	१४
२१.०५X१०	२	८	३१	पूण	उत्तम	लेख अच्छा है। "शंखतंत्रात्"
२१.०५X१२.०५	४०	६	२२	अपूर्ण	प्राचीन	पृ. सं. क्रम में नहीं हैं। लेख सामान्य हैं।
७५X१७.०८	२	१७	२४	पूर्ण	"	लेख सामान्य है।
४७.०५X१८.००	२	४३	२२	"	"	अन्तिम भाग टूटा हुआ है। लेख सामान्य है।
२०X९.०५	१०	१	३०	"	प्राचीन १८९१ वि०	लेख सामान्य है।
१६.०५X८.०५	१०	५	१८	"	प्राचीन १८९३ वि०	लेख अच्छा है।
२०.०५X११	६	८	२२	"	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६७७	तन्त्र १३	तत्वशुद्धिः सं.			पेपर	देवनागरी
६७८	१४	सर्वज्वरविनाशन तत्र सं०			,,	,,
६७९	१५	व्याघ्रादिप्रयोग सं०			,,	,,
६८०	१६	कन्याप्राप्ति तत्रं संस्कृत			,,	,,
६८१	१७	मारणमन्त्र सं०			,,	,,
६८२	१८	अघोरवीरनारसिंह तंत्र संस्कृत			,,	,,
६८३	१९	शत्रुविध्वंसकर-स्वामी वश्यंकर तंत्र सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१९x११	८	९	२१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है। विषय अपूर्ण है।
२०.०५x१३.०४	२	१०	१९	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है।
२१.०४x९.०७	२	९	३४	,,	,,	लेख अच्छा है।
२६x१७.०५	२	२१	२८	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१६.०८x१०.०५	२	१८	१७	,,	,,	लेख सामान्य है।
११.०९x८.०५	४	८	१३	,,	उत्तम	लेख सामान्य है।
१४.०५x९.०५	२	९	१८	,,	,,	लेख अच्छा है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८४	तन्त्र २०	पंचदशसंख्यक मन्त्र संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१८५	२१	गोरोगनाशक मंत्र सं०			,,	,,
१८६	२२	लक्ष्यप्राप्ति तन्त्र संस्कृत			,,	,,
१८७	२३	रोगदूरीकरण चोरमंत्र भिवावरा तंत्र सं०			,,	,,
१८८	२४	गोतखालीतंत्र सं.			,,	,,
१८९	२५	संविच्छोधनम् तंत्र सं०			,,	,,
१९०	२६	लोकमोहनतंत्र सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१४.०४x१४	६	१५	१७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य हैं।
२१.०३x१४.०५	२	२३	११	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२०.०४x१३.०६	४	९	१६	,,	,,	लेख सामान्य है।
२६.०२x११.०२	२	१६	१५	,,	,,	लेख सामान्य है।
३३x१६.०२	२	२५	३५	,,	,,	लेख सामान्य है।
२०.०२x८.०५	२	२८	१३	,,	,,	लेख अच्छा है।
५४.०५x११	२	४६	१३	,,	,,	लेख सामान्य है। "रुद्रप्रयामलात" ।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६१	तन्त्र २७	सर्पमंत्र संस्कृत			पेपर	देवनागरी
६६२	२८	सोममत्र संस्कृत			,,	,,
६६३	२९	शत्रुमन्त्र संस्कृत			,,	,,
६६४	३०	वेष्णवमंत्र संस्कृत			,,	,,
६६५	३१	समामोहन स्त्री वशीकरणमंत्र सं०			,,	,,
६६६	३२	मन्युसूक्त सं०			,,	,,
६६७	३३	अमरतन्त्र सं०			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२८.०८X१४.०३	४	१९	१६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८X१०.०५	२	१२	७	,,	,,	लेख सामान्य है।
१४.०६X११	२	८	१३	,,	,,	लेख सामान्य है।
२९.०५X२२.०३	२	१५	२६	,,	,,	लेख सामान्य है।
२८.०२X२२	२	२३	२७	,,	,,	बीच से फटा हुआ है। लेख सामान्य है।
१३X१०	१८	१०	१८	,,	,,	लेख अच्छा है।
१६.०५X१३.०८	४६	१३	२०	,,	,,	लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९९८	तन्त्र ३४	मन्युसूक्त सं.			पेपर	देवनागरी
९९९	३५	शत्रुविध्वंसिनी मंत्र सं०			,,	,,
१०००	३६	पुरश्चरणतंत्र सं०			,,	,,
१००१	३७	कुलाकुल चक्रम् संस्कृत			,,	,,
१००२	३८	तंत्रविद्या सं०			,,	,,
१००३	३९	बगलामुखी ब्रह्मास्त्रविद्या संस्कृत			,,	,,
१००४	४०	आगमकल्प द्रुमोक्त रहस्यम्, सं०		नृसिंहदत्त महाराष्ट्र चुंडकू	,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५.०५X१०.०८	६	११	२४	अपूर्ण	प्राचीन	किनारे नष्ट हैं। लेख अच्छा है।
१६X१०	४	१०	२१	,,	,,	लेख सामान्य है।
२५.०५X१७.०८	६	२०	१८	,,	,,	लेख सामान्य है।
४४.०६X१८	२	३१	२०	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है। बीच में फटा हुआ है।
२०.०X१३.०७	२०		२०	,,	,,	लेख सामान्य है।
१६.०५X१०.[illegible]	१२	८	१८	अपूर्ण	,,	विषय अपूर्ण है। लेख सामान्य है।
२१X१२.०६	१५४	१८	१०	पूर्ण	प्राचीन १९३६ वि.	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१००५	तन्त्र ४१	अष्टबलि कालरात्रि पूजच, संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१००६	४२	त्रिशूलयंत्र सं०	बलदेव प्रकाश		,,	,,
१००७	४३	अष्टभुजीहनुमन्महा-मन्त्रम् संस्कृत			,,	,,
१००८	४४	हनुमानयन्त्र सं०			,,	,,
१००९	४५	हनुमानमंत्रम् सं.			,,	,,
१०१०	४६	राममन्त्रम् सं०			,,	,,
१०११	४७	इन्द्रजाल सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.०८X१२.०५	१३४	१२	२१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है ।
१८.०५X ४	१	६	१०	,,	,,	किनारे से टूटी हुई हैं ।
२८.०८X१२.०५	१	०	०	अपूर्ण	,,	यन्त्र टूटा हुआ है ।
२४X२०	१	१६	२५	,,	,,	किनारे से टूटा हुआ है । लेख सामान्य ।
३१X१७.०५	१	०	०	पूर्ण	,,	लेख सामान्य ।
३४X३४	१	०	०	,,	,,	बीच से फटा हुआ है । लेख सामान्य ।
२६X११	६१	८	३०	अपूर्ण	,,	पृ. १ नहीं है । लेख सामान्य । किनारे से फटा हुआ है ।

क.स.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०१२	तन्त्र ४८	विविध तान्त्रिक मंत्रप्रयोग सं०			पेपर	देवनागरी
१०१३	४९	स्वानुभवीयतंत्रम् सं०	आचार्य चक्रधर जोशी		,,	,,
१०१४	५०	त्रैलोक्यविजय-कवचम् संस्कृत	लक्ष्मीदत्त मिश्र		,,	,,
१०१५	५१	कुलरत्नाकर सं.			,,	,,
१०१६	५२	पाशुपतास्त्रपटलम् संस्कृत	मथुरानाथ भट्ट		,,	,,
१०१७	५३	तंत्रग्रंथ सं०			,,	,,
१०१८	५४	सौभाग्यतंत्रम् सं०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१.०६X१७	४	३०	२६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
२०.०३X१६.०५	२	२२	४६	पूर्ण	"	लेख अच्छा।
२०.०५X१०	१	१०	३	अपूर्ण	प्राचीन १९१६ वि.	लेख अच्छा। केवल अन्तिम पृ. उत्तरगन्धर्व तन्त्र से।
१४X११	२०	११	२१	पूर्ण	प्राचीन १९४६ वि.	मन्त्रमहोदधि से। लेख अच्छा।
२०.०५X१०.०५	३	११	३३	"	प्राचीन १८३८ वि.	कालोत्तरमन्त्र से। लेख सामान्य।
२७.०६X११	११४	१०	४७	अपूर्ण	प्राचीन	शारदातिलक से। पृ. संख्या क्रम में नहीं है। लेख सामान्य।
२६X१८.०५	६	२२	४१	"	"	पृ. संख्या क्रम में नहीं। लेख अच्छा।

क० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०१९	तन्त्र ५५	दत्तात्रेय तन्वसार संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१०२०	५६	दत्तात्रेयतन्त्रम् सं०			,,	,,
१०२१	५७	कात्यायनीविधिः सं.			,,	,,
१०२२	५८	नित्यसौभाग्यकवचम् संस्कृत			,,	,,
१०२३	५९	मन्युसूक्त प्रयोगः संस्कृत			,,	,,
१०२४	६०	दत्तात्रेयतन्त्रम् संस्कृत			,,	,,
१०२५	६१	तन्त्रभाषा सं०			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०		१२	१३	१४
२०.०५X१३.३	१५	११	१२	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। नित्य प्रक्रिया अजपा मंत्र विधि सहित।
२५.०५X१२	४१	७	३१	,,	नई	लेख अच्छा है।
२६X११.०५	३	१५	३४	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है। पृ० १ बीच से फटा हुआ हैं।
२५.०५	५	८	३२	,,	प्राचीन १८२५ बि०	वामकेश्वर तंत्र से। किनारे दीमक से नष्ट। लेख अच्छा।
२३२४ X१०.०५	२	७	३५	,,	प्राचीन	किनारे दीमक से नष्ट। लेख सामान्य है।
३०X१४	८	११	३२	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२४.०५X१३	१	१३	३६	,,	,,	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०२६	तन्त्र ६२	शत्रुमारणयंत्रम् सं.			पेपर	देवनागरी
१०२७	६३	वशीकरणमत्रम् सं.			,,	,,
१०२८	६४	मृगरोगदूरीकरण-यंत्र संस्कृत			,,	,,
१०२८	६५	अर्जुनयंत्र संस्कृत			,,	,,
१०२९	६६	भैरवयंत्र तथा मंत्र सं०			,,	,,
१०३०	६७	वृश्चिकमन्त्र सं०			,,	,,
१०३१	६८	पाठभेदात्मकं षोडषात्मकं तंत्रम् सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५x१४	१	१८	३२	पूरा	प्राचीन	किनारा टूटा हुआ। लेख सामान्य है।
६०x ०.३	१	५२	८	,,	,,	लेख सामान्य। चार यंत्र भी साथ में हैं।
२०.८x१५	१	१०	१	,,	,,	लेख सामान्य।
१३.५x६.०५	१	०	०	,,	,,	बीच में दीमक द्वारा नष्ट। लेख सामान्य।
३०.६x६	१	३०	१०	,,	,,	लेख सामान्य।
२६.५x१४	१	१५	१५	,,	,,	लेख सामान्य।
१६x१२	८	६	१७	अपूरा	,,	लेख सामान्य।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	तन्त्र					
१०३३	६९	मारगा-मोह तन्त्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१०३४	७०	षोडसात्रा [illegible]र्णनम् संस्कृत			"	"
१०३५	७१	त्रिशंतात्रम् सं०			"	"
१०३६	७२	कौलधर्मसमयाचार संस्कृत			"	"
१०३७	७३	ऋगाधनचक्रम् सं०			"	"
१०३८	७४	ज [illegible]थ नानि			"	"
१०३९	७५	फीयामंत्र सं.			"	"

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०		१२	१३	१४
२२X११.०५	१	१६	१७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८.०७X९.०८	३	१६	३६	पूर्ण	,,	लेख अच्छा है। तत्वबुद्धि से।
१८ ०५X९	६	७	३६	,,	,,	लेख अच्छा है।
२५X१०	२	७	३३	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२३.०५X१३:१०	१	१२	२५	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२२X१२.०५	१	८	१९	,,	,,	लेख सामान्य है।
१५.०५X६.०५	१	१५	५	,,	,,	लेख सामान्य है।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०४०	तन्त्र ७६	योगबीजप्रकरणम् संस्कृत	ग्रा[illegible] नाथ		पेपर	देवनागरी
१०४१	७७	पुरश्चरणनिर्णयसं०			,,	,,
१०४२	७८	मत्रौषधि संस्कृत			,,	,,
१०४३	७९	पंचांगपूजनविधि संस्कृत			,,	,,
१०४४	८०	वाग्वादिनीपूजा सं.			,,	,,
१०४५	८१	सिद्धिसाध्यधन-ऋणविचार स०			,,	,,
१०४६	८२	दत्तात्रेयपटल सं०			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२६.०५x१३.०५	८	११	३६	पूर्ण	नवीन	लेख अच्छा है।
२७x११.०५	५	१२	४७	अपूर्ण	प्राचीन	पृ. सं. क्रम में नहीं। किनारे टूटे लेख अच्छा।
१२ ०५x६	१४	०	०	पूर्ण	नवीन	लेख सामान्य।
१५.०५x६.०४	१	६	१६	,,	,,	लेख सामान्य।
१७x११.०५	१	१४	१८	,,	प्राचीन	लेख सामान्य।
२१x१२ ०५	१	२४	१६	,,	,,	लेख सामान्य।
३४x११.०५	४	१६	५५	अपूर्ण	,,	पृ. सं. क्रम में नहीं हैं। पृ. बीच में फटे हैं। लेख सामान्य।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०४७	तन्त्र ८३	मूढाशरस्फुव्यत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१०४८	८४	सिद्धसाक्ष्यानिचक्रम संस्कृत			,,	,,
१०४९	८५	मन्युसूक्तम संस्कृत			,,	,,
१०५०	८६	दीपदानबिथि संस्कृत			,,	,,
१०५१	८७	कुलानन्दसंहिता सं.			,,	,,
१०५२	८८	वालमही तन्त्रम संस्कृत			,,	,,
१०५३	८९	ज्ञानार्णवस्योत्तरार्धम सं०			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३२ ०५X७	१	६४	१५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। पृ० बीच से टूटा हुआ। मंत्रराज।
१८.०५X१.०५	२	३	१४	पूर्ण	,,	लेख सामान्य। मंत्राक्षर सहित।
२६ ०५X१२	१	१२	४४	पूर्ण	,,	किनारे से टूटा हुआ। लेख सामान्य।
४२.०५X१५	१	३८	१७	पूर्ण	,,	किनारे टूटे हुए। लेख सामान्य।
२७X१६.०५	३	१६	३४	पूर्ण	प्राचीन १९१५ वि.	लेख अच्छा। गुरुपद्धति।
३१X१३.०३	४	१६	४६	अपूर्ण	प्राचीन	किनारे टूटे हुए है। लेख सामान्य।
३०X१५.०३	४१	११	३४	पूर्ण	प्राचीन १९०६ वि.	लेख अच्छा है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०५४	तन्त्र ६०	वामदेवसंहिता संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१०५५	६१	भावात्मकीय-ऋणावयन्त्राणि सं.			,,	,,
१०५६	६२	सुन्दरी यंत्र तंत्र सं.			,,	,,
१०५७	६३	महालक्ष्मीस्तोत्रम तन्त्रम् संस्कृत			,,	,,
१०५८	६४	सरस्वतीस्तौत्रतंत्रम् संस्कृत			,,	,,
१०५९	६५	दक्षिणकालिकामंत्र कजचम् संस्कृत			,,	,,
१०६०	६६	कालिकास्तोत्रम सं.	शंकराचार्य		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३०x१५	६५	१४	३५	पूर्ण	प्राचीन	२० अध्याय तक है। लेख अच्छा है।
३८x२८.०३	२	०	०	,,	,,	लेख सामान्य है।
२६.०५x१६	१	२४	१४	,,	,,	लेख सामान्य है।
१५.५x८.५	८	८	२६	,,	उत्तम	लेख उत्तम । स्कन्द-पुराणस्य काशीखण्डार।
१५x६	४	५	१६	,,	प्राचीन	पद्मपुराणात्। लेख सामान्य है।
६८.५x८.५	२	९०	१०	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य है।
२५.६x१७.५	२	२३	१५	पूर्ण	,,	दायें किनारे से दीमक द्वारा नष्ट। लेख सामान्य।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०६१	तन्त्र ९७	कालिका स्तोत्रतंत्रम् यंत्र सहितम् संस्कृत	शंकराचार्य		पेपर	देवनागरी
१०६२	९८	कार्तवीर्यार्जुन प्रयोग संस्कृत			,,	,,
१०६३	९९	गणपति स्तोत्र तंत्रम् संस्कृत			,,	,,
१०६४	१००	सरस्वती एकादशासर यंत्र संस्कृत			,,	,,
१०६५	१०१	त्रिपुरासहस्त्रनाम स्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
१०६६	१०२	दशामहाविधा तंत्रम संस्कृत			,,	,,
१०६७	१०३	दशमहाविधा-नामानि, संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७.५x१०.५	४	६	१७	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा दो यंत्र भी हैं
२०.x१४	४०	१०	२०	,,	,,	लेख उत्तम । उमामाहेश्वर तंत्रात्
२०.२x१०	४	७	१७	,,	प्राचीन	काम्यप्रयोग लेख सामान्य है ।
१३.४x१२.४	२५	५	१५	,,	,,	लेख सामान्य है। दो यंत्र भी हैं।
२१.५x१०.६	२०	६	३१	,,	उत्तम	लेख उत्तम । रुद्रयातंत्रात्
१६५x१६.५	१	१४५	२४	,,	प्राचीन	उपर का भाग तथा किनारे टूट गये हैं लेख अच्छा है ।
२१.२x१०.२	१	४	२३	,,	,,	किनारे टूट गये हैं। लेख सामान्य है ।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०६८	तन्त्र १०४	महात्रिगुर सुन्दरी स्तोत्रवि. सं.			पेपर	देवनागरी
१०६९	१०५	कार्तवीर्ययत्रम् सं.			,,	,,
१०७०	१०६	लक्ष्मीयंत्रम् सं०			,,	,,
१०७१	१०७	दशमहाविद्या मंत्र जप विधि संस्कृत			,,	,,
१०७२	१०८	कालिकाप्रात: स्मरणाम् सं०			,,	,,
१०७३	१०९	कालिका प्रात: स्तुति सं०			,,	,,
१०७४	११०	अध्वर्ण भद्रकाली संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
६X७	६०	५	७	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम ।
२३.५X२३.५	१	०	०	पूर्ण	प्राचीन	किनारे टूट गये हैं। बीच का भाग भी टूटा हुआ है। लेख उत्तम ।
१८ ०५	१	११	५	पूर्ण	,,	लेख सामान्य ।
२३X१०.१	२२	७	३३	पूर्ण	प्राचीन १९०० वि.	लेख सामान्य ।
१६.३X७ ३	४	६	२४	पूर्ण	उत्तय	लेख अच्छा ।
१६.६X७.१	६	४	२१	पूर्ण	प्राचीन	पुस्तक किनारे से टूट रही है। लेख अच्छा ।
१६.२X६.५	४	७	२४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है ।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०७५	तन्त्र १११	सरस्वतीरक्तम संस्कृत	नरोत्तम एवं वाणीविलास शर्मा		पेपर	देबनागरी
१०७६	११२	कालीस्तोत्रमंत्रवाक्य बिधानम सं.			,,	,,
१०७७	११३	कालिकाकथारादि शतनाम स्त्रोत्रम सं.			,,	,,
१०७८	११४	कालिकासहायनाग स्तोत्रम् संस्कृत			,,	,,
१०७९	११५	कालिकारहस्यनाम स्तोत्रध संस्कृत			,,	,,
१०८०	११६	महालक्ष्मी यंत्रम् संस्कृत			,,	,,
१०८१	११७	,,			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८.५x१०	१	६	२१	अपूर्ण	प्राचीन १९१७ वि.	केवल पृ० ४ है। लेख उत्तम है।
२०x८.८	१०	८	२७	,,	प्राचीन	लेख सामान्य। विषय अपूर्ण पुस्तक जीर्ण रूप में है।
२१x७.२	४	६	२६	पूर्ण	,,	ऊपर का भाभ दीमक से नष्ट। लेख उत्तम। मुण्डमालातंत्रात।
२०.८x१०	२२	१२	३४	,,	,,	लेख सामान्य। कुलसर्वस्वतंत्रात।
१७.३x१२.२	५६	१०	२१	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य। महाकाल संहिताय। पृ. १ से ६ तक नहीं है।
४७x४५	१	०	०	पूर्ण	,,	किनारे टूट गये हैं। विषय वस्तु ठीक है।
५४x५२	१	०	०	,,	उत्तम	लेख उत्तम।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०८२	तन्त्र ११८	श्रीलक्ष्मीनृसिंह चित्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१०८३	११९	लक्ष्मीस्तोत्रमन्त्रम संस्कृत			,,	,,
१०८४	१२०	लक्ष्मीअष्टोत्तर नामावलि संस्कृत			,,	,,
१०८५	१२१	महालक्ष्मीस्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
१०८६	१२२	लक्ष्मीसूक्तम सं.			,,	,,
१०८७	१२३	लक्ष्मीसूक्तम संस्कृत			,,	,,
१०८८	१२४	लक्ष्मीसूक्तम सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१४x११	१	०	०	पूर्ण	प्राचीन	मंत्र कागज में चिपकाया गया है।
२०.६x१०	२	६	२७	,,	उत्तम	लेख अच्छा। अश्वमेघा वमत्राभात
३०x२१	२	१३	३०	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
३१.५x१२	२	३५	१२	,,	,,	लेख सामान्य है।
२०.५x११.५	८	१०	१७	अपूर्ण	प्राचीन १९३० वि०	लेख सामान्य। किनारे नष्ट हो गये हैं।
१८x१२.२	४	६	१८	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१८.१x११	४	८	१६	पूर्ण	,,	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०८९	तन्त्र १२५	सरन्वतीमंत्र सं.			पेपर	देवनागरी
१०९०	१२६	लक्ष्मीसूक्तम् सं.			,,	,,
१०९१	१२७	लक्ष्मीसूक्तम् सं०			,,	,,
१०९२	१२८	लक्ष्मीहृदयम सं०			,,	,,
१०९३	१२९	महालक्ष्मी न्यासाः संस्कृत			,,	,,
१०९४	१३०	कवचमाला सं०	शंकराचार्य एवं कपिलमुनि		,,	,,
१०९५	१३१	सरस्वती सूक्तम				
१०९६	१३२	,,	नरोत्तमदत्त शर्मा		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१९.५x६ ८	२	८	२६	पूर्ण	प्राचीन	किनारे टूट गए हैं। लेख सासान्य है।
१९.५x१०.५	१०	६	२४	पूर्ण	प्राचीन १८५८ वि.	किनारे ध्वस्त हैं। लेख सामान्य।
१३x १०.४	१४	७	१२	पूर्ण	प्राचीन १९१८ वि.	लेख अच्छा। बायें किनारे दीमक से नष्ट।
२२x१२	७२	८	२०	,,	उत्तम	लेख उत्तम। पृ. १ किनारे से टूट गये।
२१x८	२	५	२३	,,	प्राचीन	लेख सामान्य।
२३x१० ५	२४	९	४१	,,	प्रचीन १८९० वि.	लेख अच्छा।
१८.५x९.५	८	६	१७	अपूर्ण	प्राचीन १९१७ वि.	लेख उत्तम।
१९x११.५	४	१४	२९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। ब्रह्मोक्त।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	तन्त्र					
१०९७	१३३	सरस्वती स्तोत्र संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१०९८	१३४	सरस्वतोस्त्रीत्राणि संस्कृत	आश्वलायन		,,	,,
१०९९	१३५	भुवनेश्वरी पत्रम् संस्कृत			,,	,,
११००	१३६	भुवनेश्यरी रयस्यम संस्कृत			,,	,,
११०१	१३७	,,			,,	,,
११०२	१३८	भुवनेश्वरीकवचम संस्कृत			,,	,,
११०३	१३९	भुवनेश्वरीशतनाम रहस्यम संस्कृत			,,	,,

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५x९.३	६	८	१६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
२५x१२	८	६	३०	अपूर्ण	,,	पृ. १ नहीं है। अपूर्ण। लेख अच्छा। किनारे टूटे रहे हैं।
२६x११	६	१०	४०	अपूर्ण	,,	विषय अपूर्ण पुस्तक की दशा हीन। लेख सामान्य।
२२.५x१२.५	२	११	३३	अपूर्ण	प्राचीन	विषय अपूरण केवल पृ. १९ है, लेख अच्छा।
२३.५x२२	३०	१०	३४	अपूर्ण	,,	विषय अपूर्ण पहले के ४ पृ. नहीं हैं अन्तिम पेज अपूण लेख अच्छा।
४८x१९.५	१	४१	२३	अपूर्ण	प्राचीन	विषय अपूर्ण बीच में फट गया है लेख सामान्य।
२४ ५x१० ५	४	८	३२	अपूर्ण	प्राचीन	केवल पृ. ३ से ६ हैं। अपूर्ण लेख अच्छा : रुद्रयामलात।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	तन्त्र					
११०४	१४०	देव्यापराध क्षमापन स्तोत्रम संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११०५	१४१	घटार्गता यत्रम			,,	,,
११०६	१४२	बालावाग्वादिनी पूजा सं.			,,	,,
११०७	१४३	बालात्रिपुर सुन्दरी सं	नृसिहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,
११०८	१४४	बालत्रिपुर सुन्दरी मत्र विधानम सं.			,,	,,
११०९	१४५	त्रिपुरा श्रीमंत्रपूजा पद्धति सं कृत			,,	,,
१११०	१४६	त्रिपुर सुन्दरी सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०X७६	१८	४	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। रुद्रयामलात।
२५X२५	१	०	०	पूर्ण	,,	भुवनेश्वरी यंत्र पटलात।
२०.६X१०.२	४	१०	२६	,,	,,	लेख सामान्य।
३२X१३.८	१	३०	१७	,,	उत्तम १९६० वि.	लेख सामान्य।
२२X१३.५	२	१८	१४	,,	उत्तम	लेख अच्छा।
२६X११	६८	८	२५	अपूर्ण	प्राचीन	विषय अपूर्ण। लेख सामान्य। प्रथम पृ. पर श्रीयंत्र भी है।
२३.६X१३.१	८	६	३०	पूर्ण	,,	लेख सामान्य। रुद्रयामलात।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१११	तन्त्र १४६	सुन्दरी कौलस्तव संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१११२	१४७	बालात्रिपुरसुन्दरी पूजनयंत्र संस्कृत			,,	,,
१११३	१४८	ललिताहृदयम संस्कृत			,,	,,
१११४	१४९	ललितासहायनाम संस्कृत			,,	,,
१११५	१५०	ललितासहस्रनाम स्तोतम सं.			,,	,,
१११६	१५१	ललितापंजर स्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
१११७	१५२	ह्यग्रीव यंत्रविधि			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१४x११.५	४	६	१५	अपूर्ण	प्राचीन १९३५ वि.	लेख सामान्य, विषय अपूर्ण, पृ. १ से ४ तक नहीं हैं।
२१x१७.८	२	१६	३१	,,	प्राचीन	किनारे से टूट गया हैं। लेख अच्छा।
२६.५x१०	२८	७	४३	पूर्ण	,,	लेख अच्छा है।
२०.५x१०.५	३८	७	२८	अपूर्ण	,,	विषय अपूर्ण प्रथम के ६ पृष्ठ नहीं। अन्तिम पृ० अपूर्ण
२६x११.५	३६	९	३५	पूर्ण	प्राचीन १९६५ वि०	लेख अच्छा। श्रीनगर गढ़वाल लिखी गई।
१३x१०	१	११	१६	,,	प्राचीन १९३२ वि.	लेख सामान्य है। ब्रह्माण्ड पुराणात्।
२६x१५.६	१	८	४२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८१८	तन्त्र १५३	ह्यग्रीव स्तोत्रम सं.	कवितार्किकासिंह श्री विंकटनाथ		पेपर	देवनागरी
११११	१५४	ह्यग्रीयपंजरस्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
११२०	१५५	ह्वग्रीवपंचात्रम सं.	नारद देर्वासि:		,,	,,
११२१	१५६	ह्यग्रीवमंत्र सं०			,,	,,
११२२	१५७	ह्यग्रीवस्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
११२३	१५८	कार्तवीर्यविधि सं०			,,	,,
११२४	१५९	कार्तबीर्यपद्धति सं.	नारायण दत्त		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२७.५x१३	१०	८	३४	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
१८x११	१८	१३	२९	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। ध्यग्रीव कल्पात।
२२x १०.५	६२	५	१७	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। ध्यग्रीव कल्पात।
२२.६x८.६	२	१०	३६	,,	प्राचीन	लेख सामान्य। पृष्ठों के किनारे दीमक से नण्ट।
२०.२x९.८	१०	९	३४	,,	प्राचीन १८८२ वि.	लेख उत्तम।
२०.५x१०.२	१८	११	२९	,,	प्रचीन	लेख उत्तम।
२४.५x१२	४	१०	३३	अपूर्ण	प्राचीन १९०६ वि.	लेख सामान्य के १४ से १७वें पृश्ठ तक बिषय अपूर्ण।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११२५	तन्त्र १६०	कार्तवीर्य सहस्र नामावलि संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११२६	१६१	कार्तनींर्य षार्जन कवचम संस्कृत			,,	,,
११२७	१६२	कार्तवीर्य दीपदान प्रयोग संस्कृत			,,	,,
११२८	१६३	कार्तबीर्याजुर्न स्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
११२९	१६४	कार्तवीर्याजुर्न कवचम संस्कृत	सस्रस्वत गगाराम भागनर		,,	,,
११३०	१६५	कार्तवीय पंजर स्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
११३१	१६६	कार्ततीर्य कवचम संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७.५x९	४	१०	२८	अपूर्ण	प्राचीन १७९१ वि.	लेख सामान्य, विषय अपूर्ण, केवल पृ. १ से ४ तक हैं
१९.२x९.५	४२	७	२३	,,	प्राचीन	लेख सासान्य है। डामरतत्रात्
२४x१४.८	१०	१६	२५	पूण	,,	लेख सामान्य है।
२५.३x१४	२४	१०	२३	पूर्ण	,,	लेख सामान्य हैं। डामरतंत्रात्
२३.५x१२.५	३२	१०	२३	पूर्ण	प्राचीन १८८२ वि०	लेख उत्तम हैं।
२४x१५	२२	२०	३५	,,	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२४x१५	१०	१९	२९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज़ का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११३२	तन्त्र १६७	कार्तवीय कवचम् सम्कृत			पेपर	देवनागरी
११३३	१६८	कार्यवीर्योर्जु न दीपदान संस्कृत			"	"
११३४	१६६	कार्तवीर्यार्जुन कवचम, संस्कृत	पातीराम		"	"
११३५	१७०	कार्तबीर्यार्जुन कबचम संस्कृत			"	"
११३६	१७१	कार्तवीर्यार्जुन कवचम संस्कृत			"	"
११३७	१७२	कार्तवीय विधि संस्कृत	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		"	"
११३८	१७३	कार्ततीर्य विधि संस्कृत			"	"

आकार से० मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३X११.५	२०	९	४३	पूर्ण	प्राचीन १९१५ वि.	लेख अच्छा। ओंकारेश्वर तन्त्रात।
२०.५X९	६	१०	३०	पूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम। किनारे से टूटे रहे हैं।
१८.५X८.५	१८	१२	३७	पूर्ण	प्राचीन १८८३ वि.	लेख उत्तम। किनारे नष्ट रुद्रयामलात।
२२X११.८	२?	१३	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। डामरेश्वर पंचाङ्ग।
१९.३X१०	२४	१०	३३	पूर्ण	प्राचीन १८९९ वि.	लेख अच्छा। रुद्रयामलात।
१९.२X११.५	५२	८	१८	पूर्ण	प्राचीन १९३७ वि.	लेख अच्छा। पापतोक्तात।
२७.८X१३.५	८	९	२७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। पृ. सं. क्रम में नहीं।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११३९	तन्त्र १७४	कार्तवीय विधी संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११४०	१७५	प्रत्यगिरा पंचागम् संस्कृत			"	"
११४१	१७६	प्रत्यगिरा पद्धति सं.			"	"
११४२	१७७	प्रत्यगिरा विधा विधानम् सं	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		"	"
११४३	१७८	प्रत्यंगिरा सिद्ध मंत्रोद्धार संस्कृत			"	"
११४४	१७९	प्रत्यंगिरा महा-विद्या मंत्रोद्धार सं			"	"
११४५	१८०	प्रत्यंगिरा विधान सं०			"	"

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२७.८X१३.५	६	८	२६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
२१.२X११.७	५२	८	२८	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम।
१८X१०	४	१५	४६	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम।
१७X८.५	१६	८	२१	,,	प्राचीन	लेख उत्तम। अन्तिम पृष्ठ का आधा भाग दीमक से नष्ट है।
१९.५X९	२०	६	२५	,,	प्राचीन १८६३ वि.	लेख अच्छा।
२५X१६.५	१२	११	३१	,,	उत्तम	लेख उत्तम।
१७.५X११	४	८	२२	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा। शत्रुवधार्थं तंत्र

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११४६	तन्त्र १८१	प्रत्यगिरास्तोत्रमन्त्र सं कृत			पेपर	देवनागरी
११४७	१८२	प्रत्यगिरा स्तोत्र विधानम संस्कृत			,,	,,
११४८	१८३	प्रत्यगिरासूक्तम संस्कृत			,,	,,
११४९	१८४	प्रत्यंगिरा स्तोत्रम सस्कृत			,,	,,
११५०	१८५	प्रत्यगिरास्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
११५१	१८६	,,			,,	,,
११५२	१८७	,,			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१९X१२.५	२४	५	१३	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा हैं।
२४.५X११	२६	८	३०	पूर्ण	प्राचीन १९१२ वि.	लेख अच्छा।
२४.५X१२.५	६	११	२८	,,	प्राचीन	लेख अच्छा। 'कलारे दीमक से नष्ट।
१९.३X१२.५	१८	७	२६	,,	प्राचीन १९२५ वि.	लेख अच्छा।
१९.५X१२.६	१६	९	२३	,,	,,	लेख उत्तम।
२०.३X८	२२	६	३१	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।
२१X१०	१४	९	३०	पूर्ण	प्राचीन १९७१ वि.	लेख अच्छा।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११५३	तन्त्र १८८	प्रत्यंगिरा स्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११५४	१८९	प्रत्यंगिरा सहस्रनाम सतोत्रम् संस्कृत			,,	,,
११५५	१९०	प्रत्यंगिरा कवचम् संस्कृत			,,	,,
११५६	१९१	प्रत्यंगिरा कवचम् संस्कृत			,,	,,
११५७	१९२	ललितासहस्रनाम स्तोतम सं.			,,	,,
११५८	१९३	गणेश पूजन संस्कृत			,,	,,
११५९	१९४	गणेशपूजन संस्कृत			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२०.३X८	८	७	२०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा ।
२४.५X१७	१६	१२	३१	पूर्ण	प्राचीन १९२० वि.	लेख अच्छा । प्रथम पृ. बीच से फाड़ा हुआ है । सिद्धेश्वर तन्त्रात् ।
१९.५X१२.७	६	९	२५	पूर्ण	,,	लेख अच्छा । बीच से दीमक द्वारा नष्ट ।
१९ ३X१२.५	६	९	२०	,,	प्राचीन	लेख अच्छा ।
१७X१२	१०	८	१५	,,	प्राचीन १७६१ वि.	लेख सामान्य ।
१७.५X१०.७	१०	८	२२	,,	प्राचीन	लेख अच्छा ।
२०X१३.५	२४	८	१७	पूर्ण	,,	लेख सामान्य । पुस्तक की दशा हीन है ।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११६०	तंत्र १९५	गणपतिमंत्रजप संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११६१	१९६	संकटहर चतुर्थी व्रतपूजा संस्कृत			,,	,,
११६२	१९७	गणेशऋणमोचन स्तोत्रम, संस्कृत			,,	,,
११६३	१९८	मृत्युन्जय जपविधि सस्कृत			,,	,,
११६४	१९९	गणपतिसहस्रनाम स्तोत्रम संस्कृत			,,	,,
११६५	२००	,,			,,	,,
११६६	२०१	गणेशसहस्रनाम स्तोत्रम संस्कृत			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२८.८X११.८	१	२४	११	पूर्ण	प्राचीन १९६२ वि.	लेख सामान्य है।
२५X११	१	२१	११	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। मत्स्यपुराणात्।
५४.४X९.४	४	८	२२	,,	प्राचीन	लेख उत्तम। नारदपुराणात्।
२१X२०.८	१६	६	२२	अपूर्ण	,,	लेख अच्छा। किनारे टूट गये। विषय अपूर्ण।
२५.३X११	३२	१४	१३	,,	प्राचीन १९१८ वि.	लेख अच्छा। बायें ओर से दीमक द्वारा नष्ट। अपूर्ण पृ. १,२, नहीं है।
१७.५X१२.८	३४	४	१६	पूर्ण	प्राचीन १९०७ वि.	लेख सामान्य।
१०.५X१०.५	२२	९	३१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११६७	तन्त्र २०२	प्रत्यंगिरा स्तोत्रम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११६८	२०३	गणेश सहस्रनाम संस्कृत	गोविन्द गौड़		,,	,,
११६९	२०४	चण्डीपाठ संस्कृत			,,	,,
११७०	२०५	सप्तशती संस्कृत			,,	,,
११७१	२०६	चामुण्डसहस्रनाम संस्कृत			,,	,,
११७२	२०७	चण्डीपाठ संस्कृत	सत्यप्रसाद बहुगुण बुधाणी		,,	,,
११७३	२०८	शक्तिनामावलि संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	..	१२	१३	१४
२४x११	८	१२	३९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य, पुस्तक की दशा दीमक ने हीन कर दी है।
२८.८x१३.२	२६	९	४०	पूर्ण	प्राचीन १९२७ वि.	लेख अच्छा है।
१३x११	२५६	७	१४	,,	प्राचीन	लेख उत्तम है।
१६x१०	१६०	५	२१	अपूर्ण	,,	लेख उत्तम हैं।
२०x१०	५६	७	२७	पूर्ण	,,	लेख अच्छा हैं। स्कन्दपुराण अग्रहिमाद्रि खण्डन। किनारे टूटे हुए
२२.५x१३.१	७८	११	३०	,,	प्राचीन १९६२ वि०	लेख उत्तम है।
१७.५x८	३२	५	२०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।

क.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११७४	तन्त्र २०९	चण्डीपाठ सं०	हनुमान		पेपर	देवनागरी
११७५	२१०	दक्षिणकलिका मानसी पूजा सं०	शंकराचार्य		,,	,,
११७६	२११	नवरात्रमंत्रपूजन सं.			,,	,,
११७७	२१२	अनिरुद्ध बन्धन मोक्ष स्तोत्रम् सं०			,,	,,
११७८	२१३	सुमुखी अष्टोत्तर शतनाम स्तोत्रम सं			,,	,,
११७९	२१४	सप्तशती महा-संकल्प सं०			,,	,,
११८०	२१५	आवरणपूजा सं०			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२० ४x८ ३	१६८	८	३०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। पृ. ८४-८५ नहीं हैं।
२०x११.३	३०	१०	२७	पूर्ण	प्राचीन १८०० वि	लेख अच्छा। अन्तिम पृ. के अक्षर मिट से गये हैं।
२३x१९.२	२	१३	२८	,,	प्राचीन	लेख उत्तम। रुद्रयामलात।
६१x१५ ५	२	७३	२५		,,	लेख सामान्य। मत्स्यपुराणात्।
१८.२x१३ ५	८	१०	१६	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य। पृ. १-२ नहीं हैं।
१८.५x११	६	७	२२	पूर्ण	,,	लेख उत्तम। किनारे टूट रहे हैं।
२०x११	२	१०	३६	,,	,,	लेख सामान्य। किनारे टूट गये हैं।

क० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११८१	तन्त्र २१६	नवरात्रिर्णय संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११८२	२१७	राजराजेश्वरी पूजन संस्कृत			,,	,,
११८३	२१८	देवीकथा हिन्दी			,,	,,
११८४	२१६	देवीरात्रि सूक्तम संस्कृत			,,	,,
११८५	२२०	रात्रिदुर्गा स्तवम् संस्कृत			,,	,,
११८६	२२१	देवीकवचम सं.			,,	,,
११८७	२२२	चण्डीपाठ विधि सं			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	०	११	१२	१३	१४
२०.५X१०.५	२	१६	१६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
१९.५X९.८	२	८	२९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। केवल पृ. १-२ हैं। अपूर्ण।
३६X१३ ४	२	३७	१८	पूर्ण	,,	लेख सामान्य।
१८.८X१०.३	२	१०	१८	,,	प्राचीन	लेख अच्छा। किनारे टूट गये हैं।
१८.५X९.७	४	१०	२४	,,	,,	लेख उत्तम।
२०.४X१०.७	१८	८	२६	,,	प्राचीन १९६० वि.	लेख उत्तम।
१८ २X११	२२	८	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११८८	तन्त्र २२३	सप्तशती पाठ संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११८९	२२४	श्री सूक्तम् संस्कृत			,,	,,
११९०	२२५	योगिवी दशोत्पत्ति संस्कृत			,,	,,
११९१	२२६	तांत्रिकदेवी उपासना संस्कृत	श्रीमलिकार्जुन योगीन्द्र		,,	,,
११९२	२२७	सर्वाशक्ति कवच-कीलकम संस्कृत			,,	,,
११९३	२२८	देवीउपासना सं०			,,	,,
११९४	२ ६	देवी अष्टोत्तर शत नाम स्तोत्रम सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पुष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२x१२ ३	६८	११	३१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । विषय अपूर्ण ।
२८.५x२७	२	२५	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।
२७x११.८	१०	१०	३६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । अपुर्ण केदारखण्डात् ।
२८x१५.६	६६	११	३८	,,	,,	लेख साभान्य । किनारे दीमक से नष्ट ।
२२x१३ ५	१६	१०	२६	पूर्ण	प्राचीन ९२७ वि	लेख सामायं । किनारे दीमक से नष्ट ।
४५.२x१४	८	३३	१३	पूर्ण	,,	लेख सामान्य । क्रिनारे फट गये हैं ।
२२x१२ ५	१८	९	२८	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य ।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११९५	तन्त्र २३०	देवीकवचम् संस्कृत			पेपर	देवनागरी
११९६	२३१	परादेवी रहस्यम पूर्वार्द्ध म सं०			,,	,,
११९७	२३२	चण्डोपाठ विधि संस्कृत			,,	,,
११९८	२३३	शिवाबलि विधानम् संस्कृत			,,	,,
११९९	२३४	वटुकादीनी बलि: संस्कृत			,,	,,
१२००	२३५	सप्तश्लोकी चण्डीपाठ सस्कृत	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,
१२०१	२३६	देवीमंत्र स्थापन संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६.५X१२	८	८	२३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य, विषय अपूर्ण ।
३१X१२.१	६०	१५	४१	पूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम है । रुद्रयामलात ।
२१.५X९	८	८	२७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है । पृ. सं० क्रम में नहीं हैं ।
२०X१०.५	४	९	२२	पूर्ण	,,	लेख सामान्य हैं ।
१८.८X१२.६	४	१३	२२	पूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा है ।
१७X८.५	१६	५	१७	,,	प्राचीन १९९१ वि०	लेख सामान्य है । रुद्रयामलात ।
१७X८.४	२	५	२५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है । विषय अपूर्ण ।

क.सं.	पुस्तक क्रमांम लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२०२	तन्त्र २३७	चामुण्डा सं०			पेपर	देवनागरी
१२०३	२३८	देवी सूक्तम स.			,,	,,
१२०४	२३९	श्री सूक्तम सं.			,,	,,
१२०५	२४०	देवीकीत्तकम् सं०	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,
१२०६	२४१	कालरात्रि निर्णय सं			,,	,,
१२०७	२४२	रुद्रचण्डिका पाठ विधि सं०			,,	,,
१२०८	२४३	अश्विन नवरात्र विधि सं०	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
४x८	१	६	१५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। पृ. फट गया है।
१५.५x९.५	४	७	१८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। किनारे फट गये हैं।
१३.५x९	६	६	१२	,,	प्राचीन	लेख अच्छा।
१६.५x९ ५	१४	१८	९	पूर्ण	,,	लेख अच्छा। षड्तंत्रात्।
१७.५x९ ८	२	९	३०	,,	प्राचीन १९४६ वि.	लेख अच्छा।
१०.८x१०	६०	९	१२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
१६.५x१०.२	७६	१०	२४	पूर्ण	प्राचीन १९३३ वि.	लेख सामान्य।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२०६	तन्त्र २४४	नवरात्रपुरस्कृत संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२१०	२४५	अंकुरारदिजविधि संस्कृच			,,	,,
१२११	२४६	नवरात्र निर्णय सं०	लक्ष्मीदत्त		,,	,,
१२१२	२४७	कालरात्रि पूजा संस्कृत			,,	,,
१२१३	२४८	कालरात्रि बलि मंत्र विधि संस्कृत			,,	,,
१२१४	२४६	त्रिपुरा स्तोत्रम सं			,,	,,
१२१५	२५०	देवीसूक्तम सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१४.५X११	१०	१२	५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
१६X११	२	१०	२४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
२२X१३	२४	८	२९	पूर्ण	प्राचीन १९२४ वि.	लेख सामान्य।
२०X१३.२	८	१२	३३	,,	प्राचीन	लेख अच्छा।
२०.२X१२	२४	८	२७	,,	,,	लेख अच्छा।
२३.२X१५	२६	२२	२१	,,	,,	लेख अच्छा।
१५.२X१०.३	२	९	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। रुद्रयामलात्।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२१६	तन्त्र २५१	चण्डीपाठ विधि संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२१७	२५२	नवरात्र नवमी निर्णय संस्कृत			,,	,,
१२१८	२५३	देवी सूक्तम संस्कृत			,,	,,
१२१९	२५४	देवी स्तोत्रम सस्कृत	पृथ्वीधराचार्य		,,	,,
१२२०	२५५	देवी गीता संस्कृत			,,	,,
१२२१	२५६	परादेवी रहस्यम उत्तरार्द्धम् सं०			,,	,,
१२२२	२५७	लक्ष्मीस्तुति संस्कृत	रघुनाथसिंह		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.२x९.८	८६	७	३६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। विषय अपूर्ण।
२४x१३:३	१८	१५	४२	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।
१७x१३.५	८	१०	१८	,,	प्राचीन	लेख अच्छा।
३०x१२.४	१२	१०	३६	,,	प्राचीन १९२६ वि.	लेख अच्छा।
३३.५x१३	६६	१४	५१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। विषय अपूर्ण। पृ. बायें ओर दीमक से नष्ट। देवी भागवतात्।
३४.५x१५ ६	८२	१०	४१	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।
१८.५x९.५	१२	७	२५	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य। पृ. १ से ६ नहीं हैं।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२२३	तन्त्र २५८	अपराजिता सं०			पेपर	देवनागरी
१२२४	२५६	बाल सूक्तम स.	शंकराचार्य		,,	,,
१२२५	२६०	सटीकलघुस्तोत्रम् सं	शारंगधार		,,	,,
१२२६	२६१	इन्द्रासीस्तोत्रम् सं			,,	,,
१२२७	२६२	देवीस्तोत्रम् सं	कविरुद्र	देशराज (विसाषढा) बुलन्दशहर	,,	,,
१२२८	२६३	इन्द्राक्षी स्तोत्रम् सं०			,,	,,
१२२९	२६४	इन्द्राक्षी स्तोत्रम् सं०	अनन्त		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१४x११.६	१६	१२	२८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
१९.५x८.३	६	९	१३	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। पृ. १ किनारे से टूट गया है।
२२x११.४	२८	१२	२७	पूर्ण	प्राचीन १९११ वि.	लेख अच्छा।
२२x१३	२	१७	२७	,,	प्राचीन	लेख सामान्य। रुद्रयामलात्।
२०.२x१६	४	१८	२०	पूर्ण	प्राचीन १९४० वि.	लेख सामान्यं।
१७.५x१३.१	४	१०	१८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
२५x१२.२	६	७	२३	पूर्ण	प्राचीन १८०५ वि.	लेख सामान्य।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२३०	तन्त्र २६५	भारत सावित्री संस्कृत	व्यासकृत		पेपर	देवनागरी
१२३१	२६६	गो सावित्री सं०	लक्ष्मीदत्त		,,	,,
१२३२	२६७	सावित्री स्तोत्रम् संस्कृत	व्यासकृत		,,	,,
१२३३	२६८	दुर्गोत्सवः संस्कृत	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,
१२३४	२६९	दुर्गाकलश स्थापन विधि संस्कृत	पं. लक्ष्मीधर जोशी		,,	,,
१२३५	२७०	दुर्गा प्राणप्रतिष्ठा विधानम् संस्कृत	,,		,,	,,
१२३६	२७१	दुर्गादेवी प्रतिष्ठा संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१४.३x१०.८	१	९	२३	पूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम, महाभारतात् ।
१९x१२.७	१६	९	२३	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
२१x११.३	१०	९	२९	पूर्ण	प्राचीन १८९९ वि.	लेख अच्छा। महाभारतात्।
२३.५x११.४	२३	७	२१	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा हैं। पृ. १-२ में मोटे अक्षर अन्य बारीक अक्षर हैं।
१८.५x१०	६	११	२३	पूर्ण	,,	लेख अच्छा हैं। पुस्तक किनारे से फट गई है।
१९x१०.२	१२	७	२१	,,	प्राचीन १९६० वि०	लेख अच्छा है।
२४x१४.५	११०	११	२९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य, पृ. १ दीमक से कटा हुआ, अन्य पृष्टों के किनारों में भी दीमक लगा हुआ है।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२३७	तन्त्र २७२	दुर्गासिद्धशती विलोमपाठ संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२३८	२७३	दुर्गापाठ विधानम् संस्कृत			,,	,,
१२३९	२७४	दुर्गामंत्रजपविधि स०			,,	,,
१२४०	२७५	दुर्गासिद्धिसहित कूड़ासाधनन् स.			,,	,,
१२४१	२७६	सूक्ती दुर्गा संस्कृत	रालल्ला मोटवासी		,,	,,
१२४२	२७७	दुर्गाकवचम् सं.			,,	,,
१२४३	२७८	दुर्गाकवचम् सं०			,,	,,

आकार सें०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२.५x१०.५	१९८	७	२४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। पृ-१ से १० तक नहीं हैं।
२७.७x११	३२	५	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। विषय अपूण।
४२.३ x१३.७	१	३७	१९	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।
१९.८x१४.२	८	२६	१८	,,	,,	लेख अच्छा, पृ. के किनारे टूट रहे हैं। दुर्गासिद्धि अंतिम पृ.पर २ मंत्र भी।
२३.३x११	३०	७	२६	,,	प्राचीन १८७५ वि.	लेख अच्छा। भैरवकल्पात।
१६.५x१७.१	१	१८	२३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। विषय अपूर्ण।
१६.१x९.७	२	७	२०	,,	,,	लेख अच्छा। विषय अपूर्ण।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२४४	तन्त्र २७६	दुर्गा कवचम् सं०			पेपर	देवनागरी
१२४५	२८०	सबीजदुर्गा सप्तशती पाठ स.			,,	,,
१२४६	२८१	दुर्गासप्तशती सं			,,	,,
१२४७	२८२	कुशकडी सं	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,
१२४८	२८३	होमविधि: कुशकण्डी सं			,,	,,
१२४९	२८४	होम [illegible]रिका सं०			,,	,,
१२५०	२८५	तांत्रिक रोम [illegible]द्धति (कुशकडिका) सं०	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५.५x१० ६	८	१०	४१	अपूर्ण	उत्तम	लेख अच्छा। विषय अपूर्ण।
१७.६x११.४	५०	२०	२३	पूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम। (दाक्षिणात्य विधिः)
२१x८.६	५४	५	२९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम। पृ. ५६ तक है। पृ ६ नहीं। विषय अपूर्ण।
२०.७x१२.५	२०	८	२१	पूर्ण	प्राचीन १९६२ वि.	लेख अच्छा। अन्तिम पृ. पर मन्त्र भी है।
२० ४x१३.२	४	१०	३१	,,	प्राचीन	लेख अच्छा।
१७.४x११.५	९	६	१७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
२१.५x१३ ५	७८	१२	२३	पूर्ण	प्राचीन १९६५ वि.	लेख सामान्य। रुद्रयामलात्।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	-	३	४	५	६	७
१२५१	तन्त्र २८६	हवनकुण्ड प्रमाण संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२५२	२८७	हवनकुण्ड विधि सं०	लक्ष्मीदत्त		,,	,,
१२५३	२८८	अग्नि स्थापनम् संस्कृत	व्यासकृत		,,	,,
१२५४	२८९	दुर्गा होमपद्धति संस्कृत	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,
१२५५	२९०	दुर्गा निराजनम संस्कृत	पं. लक्ष्मीधर जोशी		,,	,,
१२५६	२९१	दुर्गा हवनपद्धति विधानम् संस्कृत	,,		,,	,,
१२५७	२९२	शत्रुनाशन दुर्गा स्तोत्रम संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१६.५x१२	१	६	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
६५x२०.२	१	६३	१६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम। पृ. दीमक द्वारा अस्त-व्यस्त। विषय अपूर्ण।
२१x१२	१६	११	३१	,,	प्राचीन	लेख अच्छा। किनारे से दीमक द्वारा नष्ट। विषय अपूर्ण।
१४.२x११.५	१४	१०	२३	,,	प्राचीन	लेख उत्तम। विषय अपूर्ण, द्वानार्थवंतज्ञात्।
१८.२x९.३	३	६	३३	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
१३x८	४४	८	२०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम।
२६.५x११.६	२	२६	२०	पूर्ण	,,	लेख सामान्य। किनारे से टूटा हुआ। महाभारतस्य भीष्मपर्वात्

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा],	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२५८	तन्त्र २६३	दुर्गाष्टकम संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२५९	२६४	दुगापाठ पूजनम संस्कृत			,,	,,
१२६०	२६५	दुर्गासप्तविध नामानि संस्कृत			,,	,,
१२६१	२६६	दुर्गा अस्तवम् सस्कृत			,,	,,
१२६२	२६७	कुशकण्डिका संस्कृत			,,	"
१२६३	२६८	दुर्गापाठ सं०			,,	,,
१२६४	२६९	वशिष्ठी हवन पद्धति संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१८.२x१८.८	२	१०	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।
२१.७x१३	२०	१२	२७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है। विश्वसारतंत्रात।
२१x१३.३	८	२०	१६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
१७.५x११.३	६	९	२७	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा, महाभारतस्य विराट पर्वात।
२३x११.८	४	१३	३४	अपूर्ण	,,	लेख अच्छा हैं। दायें किनारे फट गये है। विषय वस्तु नष्ट, विषय अपूर्ण।
२५x९.६	१८	७	३२	,,	प्राचीन	लेख अच्छा है। पृ. १-२ नहीं हैं।
३०x१२.८	३४	१३	४७	पूर्ण	प्राचीन १९३६ वि०	लेख अच्छा।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२६५	तन्त्र ३००	कुण्ड प्रदीपकः संस्कृत	राजगुरु महादेव	वंशीराम	पेपर	देवनागरी
१२६६	३०१	दुर्गा सहस्रनाम स्तोत्रम संस्कृच			"	"
१२६७	३०२	दुर्गा कवचम् सं०			"	"
१२६८	३०३	दुर्गा स्तोत्रम सं.			"	"
१२६९	३०४	दुर्गारहस्य पटलन् संस्कृत			"	"
१२७०	३०५	दुर्गास्तोत्रम् सं.			"	"
१२७१	३०६	दुर्गा त्रिरहस्यम् सं.			"	"

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३४x१३.४	२४	११	५०	पूर्ण	प्राचीन १९१९ वि.	लेख अच्छा।
१६x८ ६	४२	७	१९	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। रुद्रवामलात्।
१६ २x८ ५	१६	५	१९	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। रुद्रयामलात्।
१६.१x८.५	८	६	२१	,,	,,	लेख अच्छा। रुद्रतामलात्।
१६x८	१८	६	१७	,,	प्राचीन	लेख सामान्य। रुद्रयामलात्।
२५.२x१३	२२	८	२६	पूर्ण	उत्तम	लेख उत्तम। केदारखण्डस्य काशी खं०
२९.५x१२.७	१६	९	३४	,,	प्राचीन	लेख अच्छा। मार्कण्डेय पुराणात्।

क.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२७२	तन्त्र ३०७	नवार्णवविधि सं०			पेपर	देवनागरी
१२७३	३०८	नित्त दीपदान विधि स.			,,	,,
१२७४	३०९	अखण्ड दीपदान विधि सं०			,,	,,
१२७५	३१०	वस्यार्के दुर्गेश्वरी मंत्र सं०			,,	,,
१२७६	३११	दुर्गा सं.			,,	,,
१२७७	३१२	द्वादशाग्नि सं०			,,	,,
१२७८	३१३	होमविधि सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५ ६x१२.५	२	२४	२१	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । किनारे टूटने से विषय-वस्तु नष्ट
१८x९.५	२	७	२०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है ।
२४.४x१५.५	४	१२	२८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । भैरव तन्त्रात् । पृ० बीच से फटे है ।
२६.५x३०.६	२	२०	१८	,,	प्राचीन	लेख सामान्य । स्थिति जीर्ण ।
१८.३x१०.४	४०	८	२३	अपूर्ण	,,	लेख अच्छा हैं । पृ० क्रम में नहीं हैं
२१.३x३.७	१	४	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।
१७.८x९.४	४	८	२४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२७६	तन्त्र ३१४	नक्षत्र शान्ति संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२८०	३१५	पूर्वाजाड़ानक्षत्र मंत्र संस्कृत	मायादत्त पंत		,,	,,
१२८१	३१६	नक्षत्रमंत्र संहिता संस्कृत			,,	,,
१२८२	३१७	नक्षत्रेष्टि: संस्कृत			,,	,,
१२८३	३१८	नक्षत्राधिष्टात् देवता संस्कृत			,,	,,
१२८४	३१९	नक्षक्षेष्टि संस्कृत	वासुदेव भट्ट		,,	,,
१२८५	३२०	शीतला स्तोत्रम संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१.७x९	१०	८	४४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य है।
१९.६x१३.५	१	१०	१६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। शुक्लपादवेंदात्।
२१.५x१०	४२	६	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। पृ. क्रम में नहीं हैं ११ से १५, २३-२४ पृ. खण्डित हैं।
२०.५x१०.८	२१	८	२८	पूर्ण	,,	लेख सामान्य। किनारे टूट गए हैं।
३३.३x१६.३	२	२२	२०	,,	प्राचीन	लेख सामान्य। किनारे से बीच तक फट गया है।
३२x१३	८	१२	४०	अपूर्ण	प्राचीन १६७१ वि.	लेख सामान्य। पुस्तक जीर्णता से अस्त-व्यस्त।
१३.८x१०.७	१२	७	१२	,,	प्राचीन	लेख सामान्य।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२८६	तन्त्र ३२१	सर्वतेभद्रम संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१२८७	३२२	माया यंत्र संस्कृत			,,	,,
१२८८	३२३	शत्रुहानि मंत्र संस्कृत			,,	,,
१२८९	३२४	देवीं कवचम् सस्कृत			,,	,,
१२९०	३२५	वस्त्रधारण विधि संस्कृत			,,	,,
१२९१	३२६	सरस्वती कवचम् संस्कृत			,,	,,
१२९२	३२७	डाकिनी मंत्र सं० एवं गढ़वाली			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२७.२x२३	२	०	०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । ३ मंत्र भी हैं ।
२४.३x२४.३	२	०	०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । २ मंत्र हैं ।
१७.५x१३.२	४	१५	२४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । विषय अपूर्ण । जीर्णता से पुस्तक अस्त-व्यस्त ।
१६.७x१०.७	८	१०	२४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।
१६ १x१२	४	९	१९	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।
९.५x७	२	७	१३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।
२५x९ ८	९	९	२७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । विषय अपूर्ण ।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२६३	तन्त्र ३२८	बभूत मंत्र संस्कृत, गढ़वाली			पेपर	देवनागरी
१२६४	३२९	तंत्र-मंत्र पहाड़ी क्रिया, गढ़याली			,,	,,
१२६५	३३०	नानाविध रक्षापाठ सं० (गढ़वाली)			,,	,,
१२६६	३३१	तांत्रिक क्रिया सं. (गढ़वाली)			,,	,,
१२६७	३३२	तांत्रिक रखवाली गढ़वाली			,,	,,
१२६८	३३३	मलेरिया मंत्र ग.			,,	,,
१२६९	३३४	शत्रुनाशक मन्त्र ग.			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३९X१४	२	३४	१८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । जोर्ण स्थिति ।
१६X१२.५	२२	८	११	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । किनारे टूट गये हैं ।
१३X११	८२	७	१२	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । विषय अपूर्ण ।
१८X१४.५	२६	१२	५६	,,	,,	लेख सामान्य । उखेल वेद मंत्र ।
१६.८X१५.५	६४	१३	१५	,,	प्राचीन	लेख सामान्य । पुस्तक की दशा दीमक से हीन हो गई । विषय अपूर्ण ।
२३X२१.२	८०	८	१९	,,	,,	लेख सामान्य । दायां कोण दीमक से ध्वस्त ।
१८.८X११.७	१४	६	१७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । विषय अपूर्ण ।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३००	तन्त्र ३३५	नरसिंही कवचम् गढ़याली			पेपर	देवनागरी
१३०१	३३६	रखवाली यंत्र गढ़वाली			,,	,,
१३०२	३३७	उखेलदेवमंत्र गढ़वाली			,,	,,
१३०३	३३८	नरसिंह कलुवा मंत्र गढ़वाली			,,	,,
१३०४	३३९	छागबलि दुर्गापूजा संस्कृत, गढ़वाली			,,	"
१३०५	३४०	उलेख मंत्र गढ़वाली			,,	,,
१३०६	३४१	दैत्संहार मंत्र गढ़वाली	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२० ५X१७.५	१३६	१२	१७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। जीर्णता से फट गई। पुस्तक की दशा हीन। अपूर्ण।
३५X१६.५	२	३०	२१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। अपूर्ण किनारे टूट गये हैं।
१५.७X१३.८	१	१५	१८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
१९.५X१८	६६	११	१७	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। विषय अपूर्ण पृ० क्रम में नहीं।
२१X१३.५	१२	११	२४	,,	,,	लेख सामान्य। पृ० क्रम में नहीं हैं अपूर्ण।
१८.५X१४	५	१०	१९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। पुस्तक जीर्णता के कारण अस्त-व्यस्त।
२०.६X८	३८	६	३५	पूर्ण	प्राचीन १९६९ वि.	लेख सामान्य। पत्रों का आकार विषय।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	तन्त्र					
१३०७	३४२	गरदेवी पूजा संस्कृत, गढ़वालीं			पेपर	देवनागरी
१३०८	३४३	सर्वतोभद्राम् संस्कृत			,,	,,
१३०९	३४४	छायामंत्र हिन्दी, संस्कृत			,,	,,
१३१०	३४५	भैरवमंत्र संस्कृत			,,	,,
१३११	३४६	दुर्गासप्तशती संस्कृत			,,	,,
१३१२	३४७	क्षेत्रपाल वभूति मंत्र संस्कृत, गड़वाली			,,	,,
१३१३	३४८	उन्मत्त भैरव मंत्र संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१.७x१३.५	६	१०	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा है।
४०.५x२२.५	१	०	०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। आधा भाग नहीं है।
४३x१४	५	३६	१५	पूर्ण	प्राचीन १९७० वि.	लेख सामान्य।
२४.५x१४	८	११	२७	अपूर्ण	"	लेख सामान्य। जीर्णता से पुस्तक की देशा हीग देवी पूचन विधान सहित
१४x७	२	७	२२	,,	प्राचीन	लेख सामान्य। पृ. हीन स्थिति में हैं।
१८x१३.५	२	९	२१	,,	प्राचीन	लेख सामान्य। विषय अपूर्ण।
५.१x३७.५	१	०	०	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३१४	तन्त्र ३४६	दत्तात्रेयतंत्रम् सं०			पेपर	देवनागरी
१३१५	३५०	सिद्धरिचक्रम् संस्कृत			,,	,,
१३१६	३५१	शांतिकादौधारण यंत्र विधि सं०			,,	,,
१३१७	३५२	पंचदशी मंत्र संस्कृत			,,	,,
१३१८	३५३	पंचदशी मंत्र विधि संस्कृत			,,	,,
१३१९	३५४	रखवाली सं०			,,	,,
१३२०	३५५	यंत्र चिन्तामणी सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२४.२x१२.६	२	१२	:९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । केबल पृ. २४-२५ हैं । अपूर्ण ।
१५०x१०	२	८	१४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । चक्र एवं चक्र पूजन ।
१७ ७x१०	१६	८	२४	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा ।
१८."x१२	२	११	१९	,,	प्राचीन	लेख सामान्य । किनारे टूट गये हैं ।
१५.६x१२.६	८	१६	१८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा । पृ. क्रम में नहीं हैं ।
२२.३x७०.३	१	९	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा ।
१९ ५x११	४	१३	३२	पूर्ण	प्राचीन १९६९ वि.	लेख अच्छा ।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३२१	तन्त्र ३५६	बिष मंत्र संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१३२२	३५७	गायत्री मंत्राक्षर रहस्यम् खं०			,,	,,
१३२३	३५८	वास्दुपूजा मंत्र सं०			,,	,,
१३२४	३५६	ज्वाला चक्रम सं.			,,	,,
१३२५	३६०	रखवालीमंत्र सं०, गढ़वाली			,,	,,
१३२६	३६१	धारणामंत्र गायत्री रहस्यं सहितम् सं.			,,	,,
१३२७	३६२	यन्त्र चिन्तामणी सं.			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२८x१३.२	६	७	२४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
६५x४८	१	१२	२४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। बीच-२ से दीमक द्वारा नष्ट।
५६.५x५१	१	११	९	पूर्ण	प्राचीन	अंकों द्वारा निर्मित यंत्र बीच से दीमक द्वारा नष्ट
५१x४४.५	१	०	०	,,	,,	एक कोण दीमक से नष्ट
२०x१३	१०	१३	२९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। अपूर्ण पृ. क्रम में नहीं। जीर्णता के कारण हीन दशा।
६५.५x३५.५	२	५३	३९	,,	,,	लेख अच्छा अन्तिम भाग फट गया है।
३१.५x१६	३६	१०	४६	,,	प्राचीन	लेख अच्छा, पृ. सं क्रम में नहीं, पुस्तक के किनारे टूट गये हैं।

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज़ का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३२८	तंत्र ३६३	मंत्र चिन्तामणी संस्कृत	बेंकटराम भट्ट		पेपर	देवनागरी
१३२९	३६४	मूलशान्ति तंत्रोक्ष संस्कृत			,,	,,
१३३०	३६५	श्रीमंत्र			,,	,,
१३३१	३६६	वास्तुचक्र			,,	,,
१३३२	३६७	योगिनी मंत्र			,,	,,
१३३३	३६८	सिद्धि मंत्र संस्कृत			,,	,,
१३३४	३६९	अखण्ड ब्रह्माण्ड मंत्रम् सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२४.५x११	५०	११	४१	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा । किनारे टूट गये हैं।
८०x१५.५	२	६६	१५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । ऊपरी भाग टूट गया हैं।
३३ ४x२५.५	१	०	०	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा ।
३३ ५x२५ ५	१	०	०	,,	प्राचीन	लेख अच्छा । बीच में छेद हैं ।
३३.५x२५.५	१	०	०	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। बीच-२ से दीमक द्वारा छेद हैं।
३३ ५x२५.५	१	०	०	पूर्ण	प्राचीन	बीच में दीमक द्वारा नष्ट लेख सामान्य ।
७१ ५x३६	१	०	०	पूर्ण	प्राचीन	बीच में दीमक द्वारा नष्ट

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३३५	तन्त्र ३७०	संसार लक्ष संस्कृत	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		पेपर	देवनागरी
१३३६	ज्योतिष १	जातक पारिजात संस्कृत			,,	,,
१३३७	२	सूर्यरुप कर्म प्रकाशिका संस्कृत	भवानीदत्त मिस्र रुद्रपुर		,,	,,
१३३८	३	पद्धति कल्पवल्ली संस्कृत			,,	,,
१३३९	४	गृहवेधादि विचार संस्कृत			,,	,,
१३४०	५	मंत्र चिन्तामणि संस्कृत, गढ़वाली			,,	,,
१३४१	६	पांडव गीता पठन काला संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
७४x५३	१	०	०	पूर्ण	प्राचीन १९६१ वि	किनारे से दीमक द्वारा नष्ट। श्रीमदभागवत पंचमस्क।
३२x१२	११८	१४	५८	पूर्ण	प्राचीन १९४१ वि.	लेख अच्छा। किनारे टूटे हुए है।
२६x१७.५	१२८८	१३	२	पूर्ण	प्राचीन १९४० वि.	लेख सामान्य। (ज्ञातकशास्त्र) ज्ञानभास्करान्तर्गत।
१५३x१९.५	२	२०५	२६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। ऊपर का तथा अन्त का भाग नष्ट। बीच से छेद हैं।
१२६x२०	२	१४८	२०	,,	,,	ऊपर का भाग क्षतिग्रस्त लेख सामान्य। अपूर्ण।
१२.२x१०	१००	६	६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
१२.x१०	२०	८	२०	,,	प्राचीन	लेख सामान्य। विषय अपूर्ण।

क.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	ज्योतिष					
१३४२	७	तांत्रिक जातक ग्रन्थ सं०			पेपर	देवनागरी
१३४३	८	शान्ति पाठः संस्कृत			,,	,,
१३४४	९	ग्रहभाव प्रकाशः संस्कृत	गोविन्दराम		,,	,,
१३४५	१०	षट्पंचाशिका संस्कृत	पृथुयशः वराहमिहिरात्मजः	गोविन्दराम	,,	,,
१३४६	११	देवी संकल्प विधि संस्कृत			,,	,,
१३४७	१२	लग्न चन्द्रिका भाग-१ सं०			,,	,,
१३४८	१३	लग्न चन्द्रिका भाग-२ सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२x१३	१८	११	२५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। श्लोक ११ तक नहीं। अपूर्ण। (गोत्र प्रवरादि विचार)
२२.५x१२	४	१५	१५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। पृ. भाग पर मंत्र भी है। किनारे टूट गये हैं।
१३x१३.७	२४	१२	२५	अपूर्ण	प्राचीन १८९२ वि.	लेख सामान्य। 'भुवनदीपकात्'।
२४x१२.८	१०	११	३०	पूर्ण	प्राचीन १८९१ वि.	लेख सामान्य। 'प्रवासचिन्ताध्यायात्'
२२.८x११.५	२	९	२६	„	प्राचीन	लेख सामान्य। किनारे टूट गये हैं।
२०x१६	५२	१२	२३	पूर्ण	„	लेख सामान्य। किनारे टूटे हुए हैं।
२०x१५.५	२०	१६	२४	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। पृ० १ पर भाव चक्र है। किनारे टूट गये हैं।

क्र० सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३४९	ज्योतिष १४	बालबोध संस्कृत	गोविन्दराम बलूनी		पेपर	देवनागरी
१३५०	१५	वर्षफलम् सं०			,,	,,
१३५१	१६	लानविशोपका सं०			,,	,,
१३५२	१७	षष्टिसम्वत्सराणां फलम् सं.			,,	,,
१३५३	१८	ज्योतिष रत्नमाला संस्कृत	श्रीपति		,,	,,
१३५४	१९	अष्टकवर्गः			,,	,,
१३५५	२०	मुहूर्तों का विचार सं., गढ़वाली			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२५.५x१५	६	१६	२९	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। विषय अपूर्ण, पृ क्रम में नहीं, कि ारे टूट गये हैं।
२२.५x१५	१	९	३१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। श्लोक ६४ से हैं अपूर्ण।
२५x१६	२	१५	३३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य अपूर्ण। पृ. क्रम में गहीं है। किनारे टूट गये हैं।
२७x१०	६	११	४२	,,	,,	लेख सामान्य। जातक-सारात्। किनारे टूट गये हैं।
२७.५x१०.८	१२	१०	३८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। षष्ट प्रकरण तक।
२७x१०.८	४	०	०	,,	,,	अंकानुक्रम से गणित।
७२x१६.२	२	९८	२०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम, ऊपरी भाग तथा अन्तिम भाग नष्ठ, अपूर्ण।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३५६	ज्योतिष २१	पहाड़ी बालबोध सं०, गढ़वाली			पेपर	देवनागरी
१३५७	२२	बालबोध संस्कृत हिन्दी, गढ़वाली			,,	,,
१३५८	२३	ज्योतिषसार संग्रह संस्कृत			,,	,,
१३५९	२४	आयुकरण विचार संस्कृत			,,	,,
१३६०	२५	बालबोध (पहाड़ी) संस्कृत, गढ़वाली			,,	,,
१३६१	२६	नीलकण्ठी तांत्रिक संस्कृत			,,	,,
१३६२	२७	मुहूर्त चिन्तामणि संस्कृत			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७x११	४	[illegible]	१६	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । अपूर्ण । केवल पृ. २ से ५ तक ।
२१.५x१४	८	१२	२८	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।
२१.५x१४	१०	१४	३२	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । पृ. क्रम से नहीं । कुछ सामान्य मुहूर्तों पर विचार अपूर्ण ।
२३x१३.५	४	१२	२६	,,	प्राचीन	लेख सामान्य, अपूर्ण । किनारे टूट गये हैं ।
१७.१x११	८	१०	१०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य, अपूर्ण ।
२१.५x१३.८	२४	११	२३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । अपूर्ण । पृ. ७ तक नहीं है ।
२१.५x१४	२४	११	२०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । अपूर्ण । शुभाशुभ प्रकरण ।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३६३	ज्योतिष २८	मुहूर्तचिन्तामणी संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१३६४	२९	दशदोष निरूपण संस्कृत			,,	,,
१३६५	३०	जन्मलग्न निर्णय प्रकाशिका संस्कृत			,,	,,
१३६६	३१	दशाफल विचार संस्कृत			,,	,,
१३६७	३२	नष्ट जन्मपत्रिका संस्कृत, गढ़वाली			,,	,,
१३६८	३३	नष्टजन्माङ्ग श्लोक व्याख्या संस्कृत			,,	,,
१३६९	३४	मूल पटल संस्कृत	नृसिंहदत्त महाराष्ट्र		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	बिस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२१ ५x१२	२२	१०	२३	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य, अपूर्ण, शुभाशुभ प्रकरण, पृ. क्रम में नहीं।
२१.२x१३ ८	८	१२	२७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।
२१.२x१३.८	६	८	२६	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । ४ पृष्ठों में शांति पाठ है ।
२१ ५x१४	३०	१०	२०	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य ।
१६x६.८	८	८	१६	,,	,,	लेख सामान्य ।
१६x१०	६	८	१७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य । वृहज्जातकात् ।
२० ३x१३.३	६०	११	२७	,,	प्राचीन १९७३ वि.	लेख सामान्य । 'मूलनक्षत्रविचार'

क०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३७०	ज्योतिष ३५	मख विवेचन संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१३७१	३६	दण पद्धति संस्कृत	देवीदत्त		,,	,,
१३७२	३७	द्वादशभाब विचार संस्कृत			,,	,,
१३७३	३८	द्रेष्काणाध्याय संस्कृत			,,	,,
१३७४	३९	नवग्रहानां शुभाशुभ फलम् सं०			,,	,,
१३७५	४०	नक्षत्रणां फलम् संस्कृत			,,	,,
१३७६	४१	दशाधिफलम् सं०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
४२x२८	१०	९	६५	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। दोनों किनारे फट गये हैं। अपूर्ण।
२५x१४	१४	९	२६	अपूर्ण	प्राचीन १८३१ वि.	लेख सामान्य। अपूर्ण जीर्णता के कारण पुस्तक की दशा अस्त व्यस्त।
१६.८x१५.५	२	१३	१२	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य।
२९x१२.८	४	१४	३५	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। षट्त्रिंशत् द्रष्काणफलम्
२६.१x१६.५	२	२५	२५	,,	प्राचीन	लेख साधारण।
१६.५x९.४	८	८	२६	पूर्ण	,,	लेख अच्छा। शकुनबल्यान्तर्गतः।
२५x१०.७	१६	९	४४	पूर्ण	प्राचीन १९३३ वि.	लेख सामान्य।

क० स०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३७७	ज्योतिष ४२	नष्ट जनाध्याय संस्कृत			पेपर	देवनागरी
१३७८	४३	नष्ट जातक सं०			"	"
१३७९	४४	ग्रहशान्तियोगाः सं.			"	"
१३८०	४५	बृहज्जातकम् महोत्पल विष्टतिः सं.			"	"
१३८१	४६	नक्षत्र कष्टावलिः संस्कृत			"	"
१३८२	४७	पद्धति कल्पबल्ली सं.			"	"
१३८३	४८	द्वादशभाव विचार संस्कृत	रामचन्द्र		"	"

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२३x११.४	४	७	३९	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। किनारे टूट गये हैं।
१६ ६x११.२	६	११	२८	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। किनारे दीमक से नष्ट। रुद्रयामलात्।
१८x११	१८	८	२१	,,	उत्तम	लेख अच्छा। भृगुसंहितायाः।
३२.३x१६.५	४६	११	३४	पुर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा।
२८.५x१५	४	२२	६०	अपूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। जीर्णता से पुस्तक ध्वस्त स्थिति में विषय अपूर्ण।
१.१x१७	१२	२०	११	पूर्ण	,,	लेख ग्रामान्य। बमाबल ज्ञान।
२९.४x१३.५	४	१३	४२	पूर्ण	प्राचीन १९३४ वि.	लेख सामा य। 'भृगुवाक्यसंहितायाः

क्र०सं०	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३८४	ज्योतिष ४९	बृहज्जातकम् संस्कृत	वराहमिहि जयकृष्णशर्मा	जयकृष्ण षर्मा	पेपर	देवनागरी
१३८५	५०	बृहज्जातक सटीक संस्कृत	,,	महीधर	,,	,,
१३८६	५१	बृहज्जातक संस्कृत	महोत्पल		,,	,,
१३८७	५२	बृहज्जातक संस्कृत	महोत्पल	जगच्चादिका विकृति	,,	,,
१३८८	५३	नवग्राहाणानराकृति चक्राणि सं०			,,	,,
१३८९	५४	सूक्ष्मामृक वर्ग-विचार संस्कृत			,,	,,
१३९०	५५	सुदर्शनचक्र विचार पद्धति स०			,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१७x११	६६	९	४६	पूर्ण	प्राचीन १८८८ वि.	लेख सामान्य ।
२१.५x१४	१३४	१४	४८	पूर्ण	प्राचीन १८९९ वि.	लेख उत्तम ।
२१.५x१४	१६	१४	३२	अपूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा । अपूर्ण । सप्तम अध्याय तक अध्याय ८ के श्लोक १९ तक ।
२३x१३ ५	३००	१५	५१	,,	प्राचीन १९२४ वि.	लेख अच्छा; अपूर्ण । पृ. १० तक नहीं है ।
१७.१x११	६	९	२१	अपूर्ण	प्राचीन	लेख साधारण । नक्षत्रानुसारेणं ।
२१.५x१३.८	१	१३	२४	अपूर्ण	प्राचीन	लेख उत्तम । जीर्णता के कारण कागज टूट रहा है हीरासारात् ।
२१ ५x१४	२८	६	२२	अपूर्ण	प्राचीन १९३० वि.	लेख सामान्य । रुद्रयामलात् ।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
	ज्योतिष					
१३६१	५६	पंचांग फलम् संस्कृत	चण्डीदत्त		पेपर	देवनागरी
१३६२	५७	सर्वार्थचिन्तामणि संस्कृत			,,	,,
१३६३	५८	सप्तवर्गलारणी सं०			,,	,,
१३६४	५९	समुदायाष्टकवर्गायुः संस्कृत			,,	,,
१३६५	६०	संकेत कौमुदी सं०	हरिनाथ कृत		,,	,,
१३६६	६१	सुदर्शनचक्र विचार संस्कृत			,,	,,
१३६७	६२	सर्वार्थ चिन्तामणी संस्कृत	व्यंकटेश		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एवं आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
२२x१२.६	४४	१०	२८	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा। जातकाभरणात्
२७.५x१२ ५	३८	१०	५६	अपूर्ण	,,	लेख सामान्य। जीर्णता से किनारे टूट गए हैं।
२३x१३.५	१४	०	०	पूर्ण	प्राचीन १९३५ वि.	अंकनु क्रम से सारणी है। बृहज्जातकात्।
२१.७x१३ ५	४	१४	२५	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। अन्तिम पृ. पर सारिणी है।
२३.५x११.५	४४	१०	३७	,,	प्राचीन १९३९ वि.	लेख सामान्य। शयनाद्यवस्थाफलम्।
२६ ५x१७.५	२	२४	४७	पूर्ण	प्राचीन	लेख सामान्य। पृ किनारे से फट गया है।
२५x१६	२६८	१३	२८	,,	प्राचीन १९२० वि.	लेख सामान्य। योगावलीफलाख्यानम्।

क्र.सं.	पुस्तक क्रमांक लाइब्रेरी	नाम पुस्तक [भाषा]	लेखक	व्याख्याकार का नाम	कागज का प्रकार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३९८	ज्योतिष ६३	सारावलि संस्कृत	कल्याणबर्म		पेपर	देवनागरी
१३९९	६४	हिल्लाज जातकर सस्कृत			,,	,,
१४००	६५	संकेत कौमुदी संस्कृत	हरिनाथ		,,	,,
१४०१	६६	हिल्लाज जातक संस्कृत	नृसिंहदत्त		,,	,,
१४०२	६७	तांत्रिकसार संस्कृत	हरिदास		,,	,,
१४०३	६८	तांत्रिक हिल्लाज संस्कृत			,,	,,
१४०४	६९	षदमकोष संस्कृत	श्रीनिवास वृन्दावन		,,	,,

आकार से०मी०	पृष्ठ	प्रति पृष्ठ पंक्ति	प्रति पंक्ति	विस्तार	पुस्तक की स्थिति एव आयु	अन्य जानकारी
८	९	१०	११	१२	१३	१४
३४.७X१४.५	२२४	९	३१	पूर्ण	प्राचीन	लेख अच्छा ।
२८X१८	२	२४	४०	पूर्ण	,,	लेख सामान्य । किनारे टूट रहे हैं ।
१७.५X१८.८	१६	१३	२५	पूर्ण	प्राचीन १९३० वि.	लेख सामान्य । दाहिना किनारा दीमक से नष्ट ।
२१.५X१०.५	३२	१०	३५	पू र्ण	प्राचीन १९३२ बि.	लेख सामात्य । किनारे से टूट रहे हैं ।
२४.८X११.४	६२	११	३७	,,	प्राचीन १९५६ वि.	लेख उत्तम । किनारे टूट रहे हैं ।
१६.५X९.४	८	८	३६	पूर्ण	प्राची न	लेख सामान्य ।
२५X१०.७	१६	९	४४	र्ण	प्राचीन १९३४ वि.	लेख अच्छा ।